Oxygen goushala

A Desi Cow A2 Milk Farm

Save Desi Cow Campaign

बचपन में माँ का दूध पीया, अब माँ के दूध समान अपनी गौ माता का दूध पीता हूँ

सर्वश्रेष्ठ दूध घी, देसी गाय का दूध घी

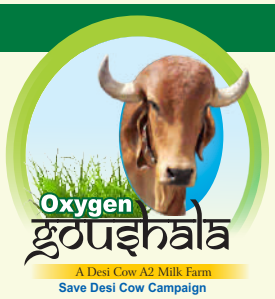

Oxygen
goushala
A Desi Cow A2 Milk Farm
Save Desi Cow Campaign

हर माँ की एक ही शिकायत होती है, ''मेरे बच्चे दूध नहीं पीते''।
मगर हमें बच्चों की शिकायत पर भी गौर करना चाहिए, जो मन ही मन कहते हैं, ''जब हम अपने माँ का दूध पीकर बड़े हुए हैं, तो फिर ये नकली दूध कैसे पी सकते हैं?। जितनी सच्चाई माँ की बातों में हैं, उतनी ही तो इन मासूम बच्चों की बातों में भी है। तो फिर इस दुविधा का क्या उपाय है?
माँ के दूध का विकल्प तो कहीं नहीं है, पर जो माँ के दूध जैसा या मिलता–जुलता है, वो है हमारी देसी गाय का ए2 दूध। इससे कम क्या कुछ भी हमारे बच्चों के योग्य होगा? बच्चों ने दूध अपने मन से नहीं, किसी सही विकल्प के अभाव में छोड़ा।
देसी गाय का ए2 दूध जब आप अपने जीवन में लाएँगे तो आपके और आपके परिवार के स्वास्थ्य और पोषण दोनों में ही बढ़ोतरी होगी। ना सिर्फ ये बल्कि ऑक्सीजन गौशाला का सदस्य बनकर आप देसी गाय के संरक्षण में भी भागीदार होंगे।
स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट पिछले 20 वर्षों से समाज में विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण–संरक्षण और गरीबी उन्मूलन के लिए अग्रसर है। 'क्विट सुगर कैम्पेन', गिफ्ट अ देसी काउ कैम्पेन, किएटीविटी स्कॉलरशिप, नो हॉर्न कैम्पेन, वन्स अ वीक खादी मूवमेंट, फाइटिंग कोचिंग स्कैम आदि के द्वारा हमने समाज में सैकड़ों लोगों को छुआ है, खासकर बच्चों को। ऑक्सीजन गौशाला ऐसी ही एक पहल है, जो देसी गाय को भारत की धरती पर फिर से स्थापित करना चाहती है। देसी गायें हमारे सुनहरे इतिहास का अहम् हिस्सा रही हैं, मगर वर्तमान में दुर्भाग्यवश विलुप्त होते जा रहीं हैं। एक तरफ जहाँ हम हाइब्रिड गायों की तरफ आकर्षित हो रहे हैं, दुनिया में कई देश हमारी देसी गायों पर शोध कर रहे और इस बात को बढ़ावा दे रहे की उनकी नस्ल हाइब्रिड नस्ल से कई गुना बेहतर है।
फर्क दोनों के दूध में पाए जाने वाले प्रोटीन का है। दुनिया के कोने–कोने में चल रहे कई शोध के अनुसार, हाइब्रिड गाय की नस्ल के दूध में ए1 प्रोटीन पाया जाता है, जबकि स्वदेशी गाय के दूध में ए2 प्रोटीन मिलता है। एक तरफ जहाँ ए1 दूध से मधुमेह और लैक्टोज इंटौलरेंस की संभावना बढ़ जाती है, वहीं दूसरी तरफ देसी गाय का दूध सुपाच्य होता है और औषधीय गुणों से लैस है।
जब सवाल स्वास्थ्य और पोषण संबंधित हो, तो कौन अपने बच्चों के लिए सबसे बेहतर विकल्प नहीं चाहता। पर यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि आज देशी गाय का दूध हम चाहकर भी नहीं ले पा रहें, क्योंकि देसी गाय की संख्या और पालन नाम मात्र है।
तो फिर देसी गाय के दूध के लिए, जो माँ के दूध के बाद सबसे अच्छा चुनाव है, क्या करना चाहिए? या तो आप स्वयं देसी गाय का पालन कर सकते हैं, या फिर ये काम आप किसी के द्वारा संभव करा सकते हैं। ऑक्सीजन गौशाला इसी दिशा में एक प्रयास है ताकि लोगों के बीच देसी ए2 दूध के महत्व को स्थापित किया जाए और हमारी देसी गायों के संरक्षण में समाज आगे बढ़े।
ऑक्सीजन गौशाला देसी गाय, खासकर गिर गाय के लिए समर्पित है, जिसके गुणों की चर्चा देश–विदेश में होती है और इसकी मांग दुनिया में बहुत बढ़ रही है। ऑक्सीजन गौशाला में देसी गाय के साथ–साथ बछड़ों और बुढ़ी गायों की भी देखभाल की जाएगी। ऑक्सीजन गौशाला से दूध एवं घी मेम्बरशिप के माध्यम से ही उपलब्ध कराया जाएगा। सदस्यों को दूध और घी उनके घर पर पहुँचा दिया जाएगा। ऑक्सीजन गौशाला से दूध बिना किसी प्रोसेसिंग के आप तक पहुँचेगा। मेम्बरशिप के लिए अलग–अलग स्लॉट उपलब्ध है जो सदस्य अपने सुविधानुसार ले सकते हैं।
एक ध्यान देने वाली बात यह है कि सदस्यों को साल में एक बार अपने परिवार समेत गौशाला पधारना होगा। वे अपने खास अवसर या सालगिरह भी यहाँ देसी गाय के आशीर्वाद के साथ–साथ, उनके लिए फल–घास खिलाकर मना सकते हैं।
यह हमारे हाथ में है कि हम अपने शरीर के स्वास्थ्य के लिए एक बेहतर बदलाव लेकर आएँ। हम दूध के पैकेट में दूध मिल रहा है, या फिर मिलावट किया हुआ कोई दूध जैसा सफेद पदार्थ, ये हमें सोचना है। आश्चर्य की बात तो है कि हमारी देसी गायों का दूध ब्राजील और ऑस्ट्रेलिया जैसे लोग चाव से पी रहे हैं, पर हमारे यहाँ गिने–चुने लोगों को यह सौभाग्य प्राप्त है।
आज के दौर में समय है कि हम अपने शरीर को कैसा पोषण दे रहे उसका आँकलन करें जहां हर तरफ प्रदूषण, बीमारी, महामारी, फैली हुई है, अपने स्वास्थ्य की जिम्मेदारी हमें उठानी होगी। अगर हम अपना और अपने बच्चों की जीवनशैली को बेहतर बनाना चाहते हैं तो एक–एक करके ये बदलाव करने होंगे। आइए, सबसे पहला कदम देसी गाय के अमृत के साथ लें।
समस्त देवी देवताओं के संग रहना हो तो अपनी देसी गाय को घर में रखिएं यदि यह संभव नहीं हो तो उनका प्रसाद स्वरूप दूध दही घी छाछ गोबर या गौ मूत्र को घर में रखिए आपके घर साक्षात ईश्वर का वास होगा🙏🙏
अपने घर देसी गाय का दूध घी लाइए, चार फायदे होंगें

1– आपका परिवार स्वस्थ रहेगा
2–अपने देश की देसी गौ माता का संरक्षण होगा
3– देसी गाय के गोबर गौ मूत्र से धरती माँ का संरक्षण होगा
4– धरती को नेचुरल खाद मिलने से हमें नेचुरल अन्न फल सब्जी मिलेगा

स्वागत सभी का 🙏🙏

देसी गाय का दूध एवं घी पटना में उपलब्ध है; साथ ही देसी गाय का घी पूरे देश में पहुँचाया जा रहा है।
इस प्रकार आप अपने और अपने परिवार के लिए सबसे शुद्ध एवं प्रसाद रूपी देसी गाय का दूध और घी सुनिश्चित कर सकेंगे।
प्रतिदिन सपरिवार सोते समय आँख, नाक, कान, मसूड़े, नाभि, चहरे और तलवे में देसी गाय का घी दो बूँद लगाइए। पारालिसिस, स्नोरिंग, माईग्रेन, डिप्रेशन, साईनस, नाक गला सर की बीमारियाँ ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर,, थायरायड में प्रभावशाली है देसी गाय का घी , एक सम्पूर्ण ब्रेन टॉनिक है यह।
अनेक जाने–अपजाने रोगों से बचाव का सस्ता अच्छा उपाय है देसी गाय का घी। देसी गाय का घी दही को मथकर मक्खन का ही हो जो औषधीय गुणों का भंडार है।
अपने घर महीने में कम से कम 100 ग्राम घी जरूर लाइए जो आपके बजट में आसानी से शामिल हो सकता है।

ऑक्सीजन गौशाला के बछड़े कटने नहीं जाते, पाले जाते हैं जो विभिन्न कार्यों में लगते हैं। बैल कोल्हू का कोल्ड प्रेस्ड तेल अपने घर लायें। यदि घर में बाजार के तेल का खर्च दो लीटर है तो बैल कोल्हू तेल का खर्च एक लीटर हीं होगा। बैल कोल्हू कैम्पेन, हमारे बैल वरदान सिद्ध होंगे। आप बैल को बचाइए, बैल आपको बचाएँगे। आइए मिलकर गौ वंश को बचायें और उसे बढ़ाएँ।

प्रभाव	देसी गाय	जर्सी–एच.एफ.
सामान्य	भारतीय नस्ल की गायों के दूध में प्रोलीन और आइसोल्यूसीन जैसे अमीनो एसिड पाएँ जाते हैं। जो कि कई बीमारियाँ जैसे की मोटापा, जोड़ों के दर्द, अस्थमा, मानसिक बीमारी आदि के खिलाफ लड़ने में कारगर है।	जर्सी या एच.एफ. गाय के दूध में कैसोमौर्फिन नामक एक जहरीला पदार्थ पाया जाता है जो कि मधुमेह, कैन्सर, हृदय रोग और अस्थमा जैसी बीमारियों के लिए जिम्मेदार है।
ए1 & ए2	भारत में दूध का कोई मानकीकरण नहीं है। ज्यादातर लोगों को यह नहीं पता है कि यूरोपीय देशों में दूध को ए1 और ए2 में वर्गीकृत किया जाता है। भारतीय नस्ल की गायें ए2 दूध देती हैं जो स्वास्थ्यवर्धक है।	जर्सी गाय ए1 दूध देती है और यूरोपीय देशों में तो ए1 दूध सीधे उपयोग भी नहीं किया जाता क्योंकि इससे आगे चलकर स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें आ सकती हैं।
सूर्यकेतु–नाड़ी	भारतीय नस्ल की गाय के कंधे पर सूर्यकेतु नाड़ी पायी जाती है। जिसके द्वारा वह सूर्य से विटामिन डी सोख लेती है और अपने दूध के माध्यम से हमें प्रदान करती हैं। इसी वजह से हमारी देसी गायों के दूध में विटामिन डी पाया जाता है।	जर्सी और एच.एफ. नस्ल की गाय में सूर्यकेतु नाड़ी नहीं पायी जाती।
कोलेस्ट्रोल	भारतीय नस्ल की गाय में ओमेगा 3 फैटी एसिड बड़ी मात्रा में पाया जाता है जो हमारी रक्त वाहिकाओं से कोलेस्ट्रोल हटाने में सहायक होता है। साथ ही साथ ओमेगा 3 हमारे शरीर से बैड कोलेस्ट्रोल हटाता है और गुड कोलेस्ट्रोल की मात्रा को बढ़ाता है।	जर्सी गाय के दूध से कोलेस्ट्रोल की मात्रा शरीर में बढ़ती पायी गयी है।
स्वच्छता	भारतीय नस्ल की गाय के व्यवहार में स्वयं स्वच्छ रहने का गुण है। वह मौसम, जलवायु स्थिति और जगह के हिसाब से खुद को तुरंत	जर्सी गाय आलसी होती है, बीमारियों से प्रवृत्त होती है, और अस्वच्छता के कारण संक्रमण का डर बना रहता है।
औषधीय गुण & किट नियंत्रण	भारतीय नस्ल की गायों में ढेरों औषधीय गुणों पाए जाते हैं। उनके दूध में पाया जाने वाला तत्व सेरीब्रोसाइड दिमाग की ताकत बढ़ाता है। स्ट्रोनशियम शरीर की रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाता है और रेडीएशन से बचाता है। न केवल दूध, देसी गाय के गोमूत्र, गोबर, घी, दही, में भी अतुलनीय औषधीय गुण है। इन तत्वों उपयोग पंचगव्य चिकित्सा में कई रोगों को ठीक करने और कीट नियंत्रण के लिए	जर्सी गाय का मूत्र और गोबर बदबूदार होता है और किसी काम नहीं आता।
जैविक खेती	देसी गाय का गोबर और गौ मूत्र जैविक खेती में उपयोग किया जाता है।	जर्सी गाय के गोबर और मूत्र से जैविक खेती नहीं कर सकते हैं।
पहचान	भारतीय नस्ल की गायों की पहचान है उनकी सूर्यकेतु नाड़ी, झालारदार गलकंबल, लंबी पूँछ, जो 360 डिग्री घूम सकती है। वे बहुत संवेदनशील और मिलनसार होती हैं।	जर्सी गायों में ये गुण नहीं पाए जाते। वे आलसी होती हैं, पहाड़ी सतह पर नहीं चल सकतीं और उनकी पिछली टांगों के बीच की जगह ज्यादा ऊँची और चौड़ी होती है।

ऑक्सीजन गौशाला
बिशुनपुरा
कन्हौली के नजदीक
बिहटा
पटना–801103

पटना
सी–33, कृष्णा अपार्टमेंट
बोरिंग रोड
पटना– 800013
फोन– 09835024536

राँची
मोनोहर भवन
लोवर वर्धमान कम्पाउंड
लालपुर, राँची
फोन– 08809673328, 07367019896

दिल्ली
बी–1, नव भारत टाइम्स अपार्टमेंट
फेज–1, मयुर विहार
न्यू दिल्ली–110091
फोन– 08826346882, 09910337655

E-mail: oxygenamovement@gmail.com, oxygenamovement@rediffmail.com | www.oxygen4students.com | Oxygen Goushala A Desi Cow Milk Farm

Students' Oxygen movement is a students' movement to make education the biggest issue, managed by People Trust and supported by YOU. Your support to this movement will get 80 (G) income tax exemption through order number- CIT-1/PAT/TECH/80G/2010-11/566.

हिन्दुस्तान
पटना • शुक्रवार • 13 दिसम्बर 2019

हमारा स्वास्थ्य, सर्वश्रेष्ठ दूध और देसी गाय के दूध विषय पर परिचर्चा, सभी बच्चों ने देसी गाय के दूध पीने और अच्छा व्यवहार करने की ली शपथ

आक्सीजन मूवमेंट की गोशाला में बच्चों ने देखी देसी गाय

पटना | वरीय संवाददाता

स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट की गोशाला में जीडी गोयनका स्कूल के बच्चों ने भ्रमण किया। स्कूल के सौ बच्चों पहले परिचर्चा में शामिल हुए और उसके बाद गोशाला का भ्रमण किया। परिचर्चा का विषय हमारा स्वास्थ्य, सर्वश्रेष्ठ दूध और देसी गाय का दूध था।

मां का दूध सर्वोत्तम : इस मौके पर मूवमेंट के संयोजक विनोद सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य के लिए मां का दूध सर्वोत्तम होता है। मां के दूध के बराबर ही देसी गाय का दूध होता है। मूवमेंट का ऑक्सीजन गोशाला देसी गाय को बचाने का कैंपेन चला रहा है। परिचर्चा के दौरान यह सामने आया कि बच्चे या तो दूध नहीं पीते हैं या दूध का स्वाद इतना बुरा होता है कि दूध में चीनी आदि डाल कर पीते हैं। ऐसे में देसी गाय का दूध जरूर पीना चाहिए।

इस मौके पर स्कूल की एडमिनिस्ट्रेटर नेहा सिंह ने कहा कि देसी गाय के लिए यह गोशाला बहुत ही कारगर है। बच्चों को गोशाला भ्रमण करना एक अच्छा अनुभव रहा।

देसी गाय को पहचानना सीखा छात्रों ने : गोशाला भ्रमण के साथ स्कूल के छात्रों को देसी गाय पहचानना भी बताया गया। विनोद सिंह ने बताया कि देसी गाय के पीठ पर उभरा हुआ मउर होता है जिसे हंप कहते है। इसके साथ बच्चों को कई और चीजों गाय संबंधित बतायी गयी। परिचर्चा में सभी बच्चों ने देसी गाय के दूध पीने की शपथ भी ली। इसके अलावा गाय के साथ व्यवहार अच्छा रखने की बात कहीं।

भ्रमण

- बच्चों का गौशाला भ्रमण करना एक अच्छा अनुभव रहा
- छात्र-छात्राओं को देसी गाय से जुड़ी कई चीजें बताई गईं

स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट की गोशाला में गुरुवार को भ्रमण करते जीडी गोयनका स्कूल के छात्र-छात्राएं। • हिन्दुस्तान

दैनिक भास्कर

भास्कर खास • गौशाला का दूध उन्हीं लोगों को मिलेगा जो वर्ष में एक बार परिवार सहित आकर गाय के प्रति प्रेम को व्यक्त करेंगे

देशी गायों को बचाने के साथ लोगों की सेहत सुधारेगी ऑक्सीजन गौशाला

साकिब | पटना

भारतीय देशी गाय के दूध को अमृत समान माना जाता है। देशी गाय के दूध में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी हैं। इसकी विशेषताओं को देखते हुए शहर में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले संगठन स्टूडेंट ऑक्सीजन मूवमेंट की ओर से ऑक्सीजन गौशाला की शुरुआत की जा रही है। गौशाला से अब सीधे देशी गाय का दूध लोगों के घरों तक पैकेट में पैक कर पहुंचाया जाएगा।

गौशाला किसानों को हर महीने एक गाय दान में भी देगी। देशी गायों को बचाने के साथ इसका पौष्टिक दूध लोगों तक पहुंचाने के लिए गौशाला कई अनोखे तरीकों को अपनाएगी। कोशिश होगी कि इस दूध को लोग सिर्फ एक फूड प्रोडक्ट के तौर पर नहीं ले, बल्कि गाय के प्रति अपने भावनात्मक जुड़ाव को महसूस भी कर सके। दूध उन्हीं लोगों को मिलेगा जो वर्ष में कम से कम एक बार परिवार सहित गौशाला आकर गाय के प्रति धन्यवाद, अपने प्रेम और आदर को व्यक्त कर सके। गौशाला महीने में एक बार गुड़ का पैकेट भी लोगों को उपहार में देगी, ताकि जहरीली चीनी की जगह गुड़ के इस्तेमाल को बढ़ावा मिले। मकसद व्यापार नहीं बल्कि स्वास्थ्य समाज का निर्माण करना होगा।

भारी डिमांड को देखते हुए मेंबरशिप लेने वालों को ही मिलेगा दूध

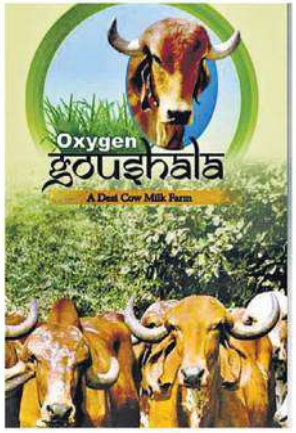

ऑक्सीजन गौशाला के बारे में जानकारी देते हुए इसे शुरू करने वाले और स्टूडेंट ऑक्सीजन मूवमेंट के कन्वेनर विनोद सिंह कहते हैं कि आज शहर में देशी गाय के दूध ढूंढने से भी नहीं मिल रहे हैं। यह स्थिति तब है जब यह गुणों की खान है। देशी गाय के दूध की भारी डिमांड को देखते हुए ऑक्सीजन गौशाला फिलहाल उन्हीं लोगों को इसका दूध मुहैया कराएगी जो गौशाला की मेंबरशिप लेंगे। 50 हजार रुपए देकर मेंबरशिप ली जा सकती है। इसके बाद गौशाला की ओर से अगले 500 दिनों तक रोजाना एक लीटर दूध मेम्बर के घर तक पहुंचाया जाएगा। मेम्बर अगर इससे ज्यादा दूध लेना चाहेंगे तो प्रति लीटर 100 रुपए अतिरिक्त देकर ले सकते हैं। हालांकि एक ही व्यक्ति को ज्यादा दूध नहीं दिया जाएगा। दूध की डिलिवरी 14 जनवरी से 10 फरवरी 2019 के बीच शुरू होगी। इसकी बुकिंग शुरू हो चुकी है और अब तक 25 से ज्यादा लोगों ने बुकिंग करा भी ली है। शिवाला के पास पांच एकड़ में गौशाला बन रही है।

क्यों है देशी गाय का दूध अमृत समान

देशी गाय के दूध की विशेषताओं पर विनोद सिंह कहते हैं कि यह अमृत समान है। देशी नस्ल की गायों के दूध में ए-2 जीनोटाइप बीटा केसीन पाया जाता है। यह डायबिटीज और हृदय रोग समेत कई रोगों को रोकने में कारगर है। वहीं विदेशी नस्ल की गायों के दूध में ए-1 जीनोटाइप बीटा केसीन पाया जाता है जो विभिन्न बीमारियों का कारण बनता है। दुनिया भर के रिसर्चरों का मानना है कि देशी गाय का दूध मां के दूध के बाद सबसे ज्यादा लाभकारी है। आज ब्राजील और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में भारतीय नस्ल की गाय के दूध की भारी मांग है। ऑक्सीजन गौशाला एक मुहीम है देशी गाय को बचाने और लोगों तक इसका दूध पहुंचाने की।

दैनिक भास्कर, पटना, गुरुवार, 06 दिसंबर, 2018

अच्छी पहल • शुरू में गौशाला के सदस्यों को ही की जाएगी आपूर्ति

लोगों को देशी गाय का दूध पहुंचाने के लिए बन रही ऑक्सीजन गौशाला

सिटी रिपोर्टर | पटना

पटना में ऑक्सीजन गौशाला का निर्माण शुरू हो गया है। शहर में अधिक से अधिक लोगों तक देशी गाय का दूध पहुंचाने के लक्ष्य के साथ इस गौशाला का निर्माण हो रहा है। शहर में अभी बहुत कम लोगों तक ही देशी गाय का दूध उपलब्ध है। देशी गाय का दूध उपलब्ध कराने और देशी गाय के संरक्षण के लिए स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट ऑक्सीजन गौशाला लेकर आई है। जिसका निर्माण बुधवार को विधिवत पूजा के साथ शुरू हुआ।

स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट के कन्वेनर बिनोद सिंह ने कहा कि ऑक्सीजन गौशाला देशी गाय के संरक्षण में और लोगों को शुद्ध देशी गाय का दूध उपलब्ध कराने में एक बड़ी भूमिका निभाएगी। यह गौशाला पटना शिवाला से 7 किलोमीटर आगे बिहटा रोड पर कन्हौली से सटे गांव बिशुनपुरा में अवस्थित है। शुरुआत में हमलोग सिर्फ ऑक्सीजन गौशाला के सदस्यों को ही देशी गाय का दूध उपलब्ध करा पाएंगे। ऑक्सीजन गौशाला के सदस्यों को 50 हजार रुपया सदस्यता शुल्क देना होगा। इसके बदले उन्हें 500 दिनों तक 1-1 लीटर दूध मुफ्त में मिलेगा। ऑक्सीजन गौशाला का निर्माण दो महीने में पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन गौशाला से प्राप्त आय का उपयोग जरूरतमंद किसानों को देशी गाय उपहार स्वरूप देने में होगा। गौशाला की पूजा में आनंद सिंह, निरंजन सिंह, कामेश्वर सिंह, वीरेंद्र सिंह, अरूण सिंह, अनुराग सिंह, मनोज सिंह, ललन सिंह, शोभा चौधरी, नागेंद्र सिंह, बबलू कुमार सिंह, तपेश्वर राम, पप्पू सिंह, सुधीर कुमार, शंभु सिंह, राम बाबू, शिव प्रसाद सिंह, वीणा सिंह, मधु सिंह, सीमा सिंह, नीतू सिंह, भाव्या सिंह एवं सोना सिंह आदि मौजूद थे।

ऑक्सीजन गौशाला के निर्माण के लिए पूजा-अर्चना की गई।

हिन्दुस्तान पटना • गुरुवार • 06 दिसम्बर 2018

बिहटा रोड पर बिशुनपुरा में गोशाला निर्माण के लिए भूमि पूजन करते लोग। • हिन्दुस्तान

ऑक्सीजन गोशाला का निर्माण शुरू

पटना। देशी गाय का दूध उपलब्ध कराने और उसके संरक्षण के लिए स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट ने ऑक्सीजन गोशाला का निर्माण शुरू किया। विधिवत पूजन के साथ इसका निर्माण शुरू हुआ। स्टूडेंट ऑक्सीजन मूवमेंट के कन्वेनर विनोद सिंह इस पूजा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि ऑक्सीजन की गोशाला देशी गाय के संरक्षण और लोगों को शुद्ध देशी गाय का दूध उपलब्ध कराने में एक बड़ी भूमिका निभाएगी। यह गोशाला पटना शिवाला से सात किलोमीटर आगे बिहटा रोड पर कन्हौली से सटे गांव बिशुनपुरा में बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि शुरुआत में हमलोग सिर्फ ऑक्सीजन गोशाला के सदस्यों को ही देशी गाय का दूध उपलब्ध करा पाएंगे।

---

inext

अब ऑक्सीजन गौशाला में मिलेगा देशी गाय का दूध

patna@inext.co.in

PATNA(5 Dec : स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट की ओर से बुधवार को गौशाला पूजन का आयोजन किया गया. इस अवसर पर संस्था के कन्वेनर विनोद सिंह ने कहा कि ऑक्सीजन गौशाला देशी गाय के संरक्षण और लोगों को शुद्ध घी और दूध उपलब्ध कराने में सहयोगी होगा. बिजनपुर गांव में खुले इस गौशाला में शुरुआत में स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट के सदस्यों को दूध और घी उपलब्ध होगा. गौशाला के सदस्यों को पचास हजार के शुल्क देने पर पांच सौ दिनों तक एक लीटर दूध दिया जाएगा. निर्माण कार्य दो माह के अंदर पूरा हो जाएगा. इस अवसर पर विरेन्द्र सिंह, अरुण सिंह, अनुराग सिंह, मनोज सिंह, ललन सिंह, शोभा चौधरी,नागेन्द्र सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे.

दैनिक भास्कर

पटना आसपास 08-03-2021

देशी गाय के संरक्षण व संवर्धन को लेकर अभियान की जरूरत, नई गोशाला खोलने में सरकार करेगी मदद : तारकिशोर प्रसाद

बच्चों को बीमारियों से बचाने के लिए हमें देशी गाय की ओर लौटना होगा : बिनोद

सिटी रिपोर्टर | बिहटा

देशी गाय गुणों की खान है। इसके संरक्षण व संवर्धन के लिए बड़े अभियान की जरूरत है। उक्त बातें डिप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद ने बिहटा के विष्णुपुरा गांव में कहीं। उन्होंने कहा कि आनेवाले दिनों में गौ संरक्षण और संवर्धन को यह संस्था लोगों के लिए प्रेरणादायी होगी। गौशाला को सरकार अनुदान देती है, बिहार में और नई गौशाला स्थापित हों सरकार से इसपर वार्ता करेंगे, दुर्लभ होती देशी नस्ल की गाय पर जिस तरह से इस संस्था ने काम किया है वह तारीफ के काबिल है। संबंधित विभाग से आग्रह कर इस गौशाला को और समृद्ध किया जाएगा। वे यहां स्टूडेंट ऑक्सीजन मूवमेंट की 18वीं और ऑक्सीजन गौशाला की दूसरी वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे थे। उन्होंने सबसे पहले आधुनिक युग में बेहतर शिक्षा व्यवस्था व देशी गाय को बचाने की मुहिम पर आयोजित परिचर्चा का उद्घाटन किया।

बच्चों को दें जानकारी

गोशाला के संस्थापक विनोद कुमार ने गिर की गाय के दूध के गुणों तथा गाय की सेवा से होने वाले फायदों पर प्रकाश डाला। इस दौरान उन्होंने गोशाला के सभी सदस्यों का आह्वान किया कि अगर कोई भी पारिवारिक कार्यक्रम कर रहें हो तो इस गोशाला में करें, जिससे कि बच्चों में गाय की सेवा और इसके जीवन में प्रभाव की जानकारी हो सके। मौके पर उपस्थित अन्य लोगों में विजेता चौबे, डॉ रामसागर सिंह, डॉ सुशांतो मुखर्जी, आनंद कुमार सिंह, उदय कुमार सिंह, सिद्धनाथ सिंह आदि शामिल थे।

गाय को हरा चारा देते डिप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद।

हिन्दुस्तान | 13

पटना • सोमवार • 08 मार्च 2021

गोशाला को और भी समृद्ध किया जायेगा: तारकिशोर

बिहटा के विष्णुपुरा गांव स्थित गोशाला का रविवार को भ्रमण करने के दौरान गायों को चारा खिलाते उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद।

बिहटा | एक संवाददाता

उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने कहा गाय के गोबर में लक्ष्मी का वास होता है। हमारे सनातन धर्म के अनुसार किसी भी पूजा की शुरुआत से पहले गौ के गोबर से आंगन को लीपने की परंपरा है। कहा जाता है कि इससे आकर्षित होकर सभी देवी देवता आते हैं।

वे रविवार को विष्णुपुरा गांव स्थित गोशाला में स्टूडेंट ऑक्सीजन मूवमेंट की ओर से आयोजित परिचर्चा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज के समय में शुद्ध दूध मिलना मुश्किल हो गया है। आनेवाले दिनों में गौ संरक्षण और संवर्धन को यह संस्था लोगों के लिए प्रेरणादायी होगी। बिहार में गोशाला को सरकार अनुदान देती है। बिहार में और नए गोशाला स्थापित हों, सरकार से इसपर वार्ता करेंगे। कहा कि संबंधित विभाग से आग्रह कर इस गोशाला को और समृद्ध किया जायेगा। कार्यक्रम में गोशाला के संस्थापक विनोद कुमार ने सदस्यों से आह्वान किया कि अगर कोई भी पारिवारिक कार्यक्रम कर रहें हो तो इस गोशाला में उनका स्वागत है। पचपन बीघे में फैले इस गोशाला में लगभग पचास से ऊपर गिर गाय हैं। यहां इनकी सेवा की जा रही है। गिर गाय का दूध कई रोगों में लाभदायक होता है। मौके पर विजेता चौबे, डॉ. रामसागर सिंह, डॉ. सुशांतो मुखर्जी आदि प्रमुख थे।

बोले उपमुख्यमंत्री

- विष्णुपुरा गांव स्थित गोशाला में परिचर्चा का किया गया आयोजन
- पचपन बीघे में फैली है गोशाला, लगभग 50 से ऊपर गिर गाय है

पटना 8 मार्च 2021 दैनिक जागरण — पटना सिटी / आसपास जागरण

देसी गाय के संरक्षण की जरूरत : उपमुख्यमंत्री

ऑक्सीजन मूवमेंट और गौशाला की वर्षगांठ पर परिचर्चा हुई आयोजित

कुपोषण दूर करने में गाय का दूध कारगर : तारकिशोर प्रसाद

संवाद सूत्र, बिहटा : विष्णुपुरा के समीप स्थित स्टूडेंट ऑक्सीजन मूवमेंट एवं ऑक्सीजन गौशाला की वर्षगांठ पर आधुनिक युग में बेहतर शिक्षा व्यवस्था, देसी गाय को बचाने की मुहिम पर रविवार को परिचर्चा आयोजित की गई। इसका उद्घाटन उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि गौ-वंश के प्रति हमारी आस्था और श्रद्धा है। प्राचीनकाल में गाय और बैल ग्रामीण अर्थव्यवस्था के आधार थे। वर्तमान में भी गौ-संरक्षण और संवर्धन के कार्य आर्थिक स्वावलंबन का आधार बन [illegible] हैं। आत्मनिर्भर बिहार बनाने के लिए राज्य सरकार [illegible] कर रहा है। इस दिशा में गौ-माता अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेगी। गाय का दूध अमृत के समान होता है। कुपोषण दूर करने में गाय का दूध कारगर है। गाय का गोबर कृषि के लिए संजीवनी है। गौ-मूत्र से कीटनाशक और औषधियां बनती हैं। गौ संरक्षण और संवर्धन को यह संस्था लोगों के लिए प्रेरणादायी साबित होगा।

उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद ने कहा कि बिहार सरकार गौशाला को अनुदान देती है। बिहार में [illegible] गौशाला स्थापित हो सके सरकार से इसपर वार्ता करेंगे। दुर्लभ हो रही देसी नस्ल की गाय को जिस तरह से इस [illegible] संस्था ने बचाने का काम किया है वह काबिले तारीफ है। संबंधित विभाग से आग्रह कर ऑक्सीजन गौशाला को और समृद्ध किया जाएगा। वहीं ऑक्सीजन गौशाला पर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए स्टूडेंट ऑक्सीजन मूवमेंट एवं ऑक्सीजन गौशाला के कंवेनर बिनोद सिंह ने कहा कि आज देसी गाय के दूध आसानी से उपलब्ध नहीं है। देसी गाय का दूध कई रोगों को रोकने में कारगर है। शोधकर्ताओं का मानना है कि देसी गाय का दूध मां के दूध के बाद सबसे ज्यादा लाभकारी है। वहीं विनोद कुमार ने सदस्यों से आह्वान किया कि यदि कोई भी पारिवारिक कार्यक्रम कर रहें हो तो इस गोशाला में उनका स्वागत है। यहां जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ जैसे कार्यक्रम होने से बच्चे गाय की सेवा और महत्व से अवगत हो सकेंगे। मौके पर संस्था के सदस्य विजेता चौबे, डॉ. रामसागर सिंह, डॉ. सुशांतो मुखर्जी, रमेश कुमार सिंह आदि शामिल थे।

बिहटा स्थित ऑक्सीजन गोशाला में गाय को चारा खिलाते उपमुख्यमंत्री • जागरण

हिन्दुस्तान स्मार्ट — अपना पटना | 05

गौशाला में बच्चों के स्वास्थ्य पर लगी कक्षा

■ पटना | स्मार्ट रिपोर्टर

किताबों में गाय की प्रजाति जानने वाले स्कूली बच्चों को अब गायों के बीच जाकर दूध से होने वाले लाभ का पता चलेगा। बच्चों को गायों के साथ समय बिताने के साथ उनके बारे में हर जानकारी दी जाएगी। स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट गौशाला ने इसके लिए संकल्प लेकर नई पहल शुरू की है। गुरुवार को सैकड़ों छात्रों को गौशाला ले जाकर उनके अंदर पशु प्रेम की भावना लाने के साथ ही उन्हें देसी गायों के बारे में बताया गया।

देसी गाय का दूध सबसे गुणकारी : देसी गाय के दूध को लेकर स्कूली बच्चों को बताया गया कि यह काफी गुणकारी होता है। इसके लगातार सेवन से सेहत बेहतर बना रहता है। मौके पर ही छात्रों को देसी गाय का दूध पिलाया गया और फिर उसका हर एक गुण बताया गया। जीडी गोयंका स्कूल के बच्चों ने स्टूडेन्ट्स ऑक्सीजन मूवमेंट के गौशाला में घंटों समय बिताए। इस दौरान बच्चों के लिए एक परिचर्चा भी आयोजित की गई। स्टूडेन्ट्स ऑक्सीजन मूवमेंट के कन्वेनर बिनोद सिंह ने बच्चों को पशु प्रेम का महत्व बताया। उन्होंने बताया कि देसी गाय का दूध सर्वोत्तम है। आज यह दुर्लभ होते जा रहा है। हमें देसी गायों के संरक्षण में आगे आना चाहिए।

गुरुवार को गौशाला में स्कूली बच्चों में पशु प्रेम की भावना जगाते बिनोद सिंह।

गायों को बचाने का दिलाया संकल्प

गौशाला में पहुंचे स्कूली बच्चों को देसी गायों को बचाने का संकल्प दिलाया गया। छात्रों को बताया गया कि किस तरह से देसी गायों को बचाया जा सकता है। देश की गाय देसी प्रजाति है और आज अपने ही देश में इनकी संख्या कम हो रही है। लोगों को इन गायों का दूध नहीं मिल पा रहा है। स्टूडेन्ट्स ऑक्सीजन मूवमेंट का ऑक्सीजन गौशाला देसी गाय को बचाने का कैम्पेन है। प्रयास है कि सभी लोगों को देसी गाय का दूध मिल सके और उनका स्वास्थ्य अच्छा रहे। परिचर्चा के अंत में बच्चों ने प्रण लिया कि वह गायों की सुरक्षा पर बात करेंगे। स्कूल की प्रशासक नेहा सिंह ने भी इसे एक बड़ी पहल बताया।

देसी गायों के लिए 'ऑक्सीजन' बन गए विनोद

रोशन हुआ पटना

पटना। गाय का दूध अमृत के सामान होता है, लेकिन इस समय बाजार में जिस तरह की मिलावट चल रही है लोग अमृत नहीं विष पी रहे हैं। मिलावटी दूध का बाजार इतना बड़ा है कि ऐसे में देसी गाय की बात करने पर लोग मुझे पागल समझते थे। मैंने हार नहीं मानी, ठाना लोगों को एक बार अमृत का स्वाद जरूर चखाऊंगा, जिससे लोग जान सकें कि गाय का दूध होता कैसा है। यह जिद थी देसी गायों को बचाने वाले विनोद सिंह की। उन्होंने ऑक्सीजन गौशाला शुरू की। इसमें 25 देसी गायें हैं। शहर ही नहीं देश के कोने-कोने से लोग देसी गाय को बचाने के इनके अभियान से जुड़ने लगे हैं।

एक प्रण यह भी है

विनोद सिंह बताते हैं देसी गायों को बचाने अलावा मैंने एक प्रण और लिया है। गौशाला के किसी भी बछड़े को कसाई के हाथों बेचेंगे नहीं, उसे बैल बनाएंगे और खेती के लिए तैयार करेंगे। यही नहीं जो गाय दूध नहीं देगी उसे भी अंतिम सांस तक पालेंगे। हमारा प्रयास है कि देश में लोग हमारी तरह गौशालाएं खोलें और देसी गायों को बचाएं। अब लोग हमारे इस प्रयास से जुड़ने लगे हैं।

सेहतमंद है देसी गाय का दूध

एक जर्सी गाय रोज 18-20 लीटर दूध देती है, वह भी ऑक्सीटॉसिन का इंजेक्शन लगने के बाद। वहीं देसी गाय 6-7 लीटर ही दूध देती है। देसी गाय का दूध आपकी हड्डियों व हृदय को मजबूत करता है, जबकि जर्सी गाय के दूध शरीर के कई अंगों को नुकसान पहुंचाता है।

गुजरात में मिली देसी गाय

लोगों को मिलावटी दूध का अंतर बताने के लिए पहले उन्हें देसी गाय का दूध चखाना होगा। यही सोचकर मैंने देसी गायों को खोजना शुरू किया। किसी ने गुजरात का पता दिया, मैंने वहां से गीड़ प्रजाति की गायें खरीदी और गौशाला शुरू की। मेरे गौशाला में हर गाय का बछड़ा है। गोबर से खाद तैयार की जाती है। घी और गौ-मूत्र भी लोगों को दिया जाता है। जो भी मेरी गौशाला में आया उसने यही कहा कि वाकई में हम लोग अभी तक जहर पी रहे थे, दूध तो यही है।

बदलाव की शुरूआत सवाल से हुई

विनोद बताते हैं कि बचपन में मां हर दिन एक गिलास गाय का दूध पीने के लिए देती थी। हमारे घर पर कई देसी गायें थीं। मां ने कभी दूध में चीनी नहीं मिलाई, फिर भी दूध बहुत मीठा होता था। बड़ा हुआ तो कई बदलाव जीवन में हुए, उसमें दूध भी बदला। पहले पैकेट का और फिर जर्सी गाय। इसमें वह स्वाद था ही नहीं। फिर मैंने ठाना कि देसी गाय पालूंगा। चार साल पहले मैंने घर पर एक गाय पाली। जीवन बदलने लगा, लेकिन फिर एक दिन मैंने खुद से सवाल किया कि जिस गाय माता का दूध पीकर हम बड़े हुए आज वह काटी जा रही है। उन्हें कोई पालने को तैयार नहीं है। बाजारवाद में देसी का कत्ल हो रहा है। तभी मैंने ठाना कि मैं गाय माता को बचाऊंगा।

दैनिक भास्कर, पटना, शुक्रवार, 13 दिसंबर, 2019

जो बच्चे गाय का दूध पीने से डरते हैं उन्होंने भी चखा स्वाद

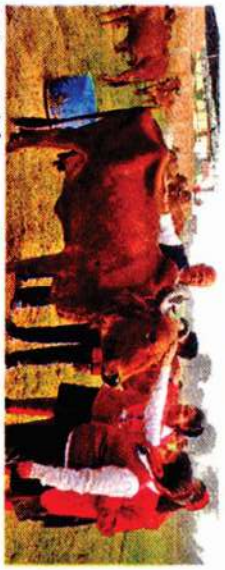

सिटी रिपोर्टर। स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट के गौशाला में जोड़ी गोयनका स्कूल के बच्चों ने एक परिचर्चा और ऑक्सीजन गौशाला भ्रमण में भाग लिया। परिचर्चा का विषय था- 'हमारा स्वास्थ्य, सर्वश्रेष्ठ दूध और देसी गाय का दूध'। मूवमेंट के कन्वेनर बिनोद सिंह ने कहा कि हमारे स्वास्थ्य के लिए मां का दूध सर्वोत्तम है। मां के दूध की बराबरी कोई दूध नहीं कर सकता। इसकी तुलना गाय का दूध ही कर सकता है। हमारा दुर्भाग्य है कि हमारे देश की गाय अपने ही देश में बिल्कुल नगण्य हो गई है, जिससे हमें देसी गाय का दूध नहीं मिल पा रहा है।

परिचर्चा के दौरान एक दुर्भाग्यपूर्ण तथ्य सामने आया कि बच्चे या तो दूध नहीं पीते हैं या दूध का टेस्ट इतना बुरा होता है कि उसमें टेस्ट बदलने के लिए चीनी, बॉर्नविटा, हॉर्लिक्स आदि मिलाना पड़ता है। ऑक्सीजन गौशाला में सारे बच्चों को देसी गाय का दूध बिना कुछ मिलाए बच्चे को मिला तो वे डर रहे थे कि इसका टेस्ट कैसा होगा, लेकिन देसी गाय का दूध बच्चों को काफी मीठा और अच्छा लगा। बच्चों ने दोबारा दूध लेकर पीया। जोड़ी गोयनका स्कूल के एडमिनिस्ट्रेटर नेहा सिंह ने बच्चों से कहा कि गाय का दूध हर दिन पीना चाहिए।

बच्चों ने जाना देशी गाय के दूध का महत्व

inext

patna@inext.co.in

PATNA (12 Dec): स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट के गौशाला में पटना के जोड़ी गोयंका स्कूल के 100 बच्चों ने एक परिचर्चा एवं ऑक्सीजन गौशाला भ्रमण में भाग लिया. परिचर्चा का विषय था- हमारा स्वास्थ्य, सर्वश्रेष्ठ दूध और देशी गाय का दूध. स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट के कन्वेनर विनोद सिंह ने बताया कि हमारे स्वास्थ्य के लिए मां का दूध सर्वोत्तम होता है. मां के दूध के बराबर यदि कोई दूध हो सकता है तो वह है देसी गाय का दूध जिसका लाखों वर्षों से हमारे देश के लोग उपयोग करते आए हैं.

inext
दैनिक जागरण, Patna, 13 March 2019

अमृत जैसा होता है देसी गाय का दूध

patna@inext.co.in

PATNA(12 March): ऑक्सीजन गौशाला में देशी गाय आने लगी है. और गौशाला के सदस्यों को दूध भी मिलने लगा है. ये जानकारी स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट के कन्वेनर बिनोद सिंह ने दी. साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि संस्था पिछले 16 साल से शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और गरीबी उन्मूलन के क्षेत्र में काम कर रही है. स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट की गौशाला खोलने की पहल से दो महत्वपूर्ण फायदा हुआ है. लोगों को अमृत के समान देसी गाय के दूध मिलने लगा है दूसरा देसी गायों का संरक्षण भी होने लगा है. संस्था के सदस्य बनने के लिए 50 हजार रुपए देने पड़ते हैं और उसके बदले में 500 दिनों तक प्रति दिन एक लीटर दूध दिया जाता है. फिलहाल गौशाला में 200 गायों की रहने की व्यवस्था की गई. जिससे रोजगार भी मिला है.

प्रभात खबर
पटना, बुधवार
13.03.2019

ऑक्सीजन गौशाला के जरिये पहुंचने लगा शहर में देशी गाय का दूध

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

लोगों तक देशी गाय का दूध पहुंचाने के मिशन के साथ शुरू हुई ऑक्सीजन गौशाला ने अपना काम आरंभ कर दिया है. पटना की इस अनोखी गौशाला ने पहली बार मंगलवार को देशी गाय का दूध अपने मेम्बरों के घरों तक पहुंचाया. इसमें करीब दो सौ गायों के रहने का प्रबंध किया गया है और पहली खेप में गिर नस्ल की गायों को मंगवाया गया है. गिर को भारतीय नस्ल की गायों में सबसे बेहतर माना जाता है. यह दूध सिर्फ ऑक्सीजन मेम्बरों तक ही पहुंचाया जाएगा जिसके लिए मेम्बरशिप फीस 50 हजार रूपये है. मेम्बर बनने वालों को एक लीटर दूध पांच 500 दिनों तक दिया जाएगा. इसके बारे में जानकारी देते हुए स्टूडेंट ऑक्सीजन मूवमेंट के कंवेनर विनोद सिंह कहते हैं कि भारतीय देशी गाय के दूध को अमृत समान माना जाता है. भारतीय नस्ल की गाय या देशी गाय के दूध में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी हैं. इसकी विशेषताओं को देखते हुए स्टूडेंट ऑक्सीजन मूवमेंट की ओर से ऑक्सीजन गौशाला की शुरुआत की गई है. गौशाला से अब सीधे देशी गाय का दूध लोगों के घरों तक पैकेट में पैक कर पहुंचाया जाएगा. पटना में इस तरह का यह पहला प्रयोग है. इससे देशी गाय को बचाने में भी मदद मिलेगी. वह कहते हैं कि कोशिश होगी कि इस दूध को लोग सिर्फ एक फूड प्रोडक्ट के तौर पर नहीं ले, बल्कि गाय के प्रति अपने भावनात्मक जुड़ाव को महसूस भी कर सकें. दूध उन्हीं लोगों को मिलेगा जो वर्ष में कम से कम एक बार परिवार सहित गौशाला आकर गाय के प्रति धन्यवाद, अपने प्रेम और आदर को व्यक्त करेंगे. देशी गाय का दूध बीमारियों से बचाता है देशी गाय का दूध अमृत समान है. देशी नस्ल की गायों के दूध में ए-2 जीनोटाइप बीटा केसीन पाया जाता है. वह डायबिटीज और हृदय रोग समेत कई रोगों को रोकने में कारगर है. वहीं विदेशी नस्ल की गायों के दूध में ए-1 जीनोटाइप बीटा केसीन पाया जाता है जो कई तरह की बीमारियों का कारण बनता है.

दैनिक भास्कर, पटना, बुधवार, 13 फरवरी, 2019

सिटी एंकर

'हमारा स्वास्थ्य, सर्वश्रेष्ठ दूध और देसी गाय का दूध' पर ऑक्सीजन की ओर से परिचर्चा में बच्चों ने रखे विचार

स्कूल स्टूडेंट्स को बताया क्यों पीएं देसी गाय का दूध

सिटी रिपोर्टर|पटना

स्टूडेंट्स आक्सीजन मूवमेंट की ओर से मंगलवार को जी. डी गोयनका स्कूल में बच्चों के बीच परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय 'हमारा स्वास्थ्य, सर्वश्रेष्ठ दूध और देसी गाय का दूध' था। इस मौके पर स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. रघुवीर, नेहा सिंह उपस्थित रहीं। बच्चों को संबोधित करते हुए रघुवीर ने कहा कि बच्चों के लिए यह कार्यक्रम काफी लाभदायक है। आज के समय में यह अफसोस है कि देसी गाय का दूध अब लोगों को उपलब्ध नहीं है। इस परिचर्चा में बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। संस्था के कन्वेनर बिनोद सिंह ने कहा कि देसी गाय का दूध, मां के दूध के समान है। देसी गाय का दूध सर्वश्रेष्ठ माना गया है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्था की यह कोशिश है कि देसी गाय के दूध के लिए सभी को जागरूक किया जाए। इस अवसर पर जी. डी गोयनका के सभी शिक्षकों ने प्रण लिया कि स्वास्थ्यवर्धक कार्यक्रम को आगे बढ़ाएंगे, जिसमें बच्चों के पेरेंट्स को भी शामिल किया जाएगा।

दैनिक भास्कर, पटना, बुधवार, 13 मार्च, 2019

देसी गाय समाप्ति की ओर होने से पौष्टिकता पर असर

देसी गायों को बचाने का प्रयास, गिर गायों का दूध मिलेगा सदस्यों को

सिटी रिपोर्टर|पटना

मां का दूध सर्वोत्तम होता है। मां के दूध के समान देसी गाय का दूध ही होता है। हमारे देश में देसी गाय समाप्ति के कगार पर है, यह हमारे लिए दुर्भाग्य की बात है। आज सभी जगह जर्सी गाय का दूध ही मिलता है। वैज्ञानिक कहते हैं कि जर्सी गाय का दूध स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। देसी गायों को बचाने की जरूरत है। इसके लिए संस्थाओं को आगे आकर काम करने की जरूरत है। इसी क्रम में स्टूडेंट ऑक्सीजन मूवमेंट ने ऑक्सीजन गौशाला की शुरुआत की है। प्रथम चरण में कई गाएं गौशाला में लाई गई हैं और इसके मेंबर को दूध दिया जा रहा है। ऑक्सीजन मूवमेंट के कन्वेनर बिनोद सिंह का कहना है कि जब देसी गायों को पालने वाले बढ़ेंगे और तब गायों का संरक्षण होगा। हम अपने स्वास्थ्य को बचाएं तो हमारी देसी गाय भी बच जाएगी। हमें देसी गायों को बचाने के लिए अलग से प्रयास करने की जरूरत नहीं, बल्कि देसी गायों का दूध उपयोग करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हमें खुशी है कि हमारे परिश्रम के बाद ऑक्सीजन गौशाला के सदस्यों के घर-घर दूध पहुंचना शुरू हो गया है। गौशाला में 200 देसी गायों के रहने का प्रबंध है। पहले चरण में हमने गिर गायों को मंगाया है जो देसी नस्लों में सर्वश्रेष्ठ है। इनका स्वभाव शांत एवं दूध अमृत के समान होता है।

पटना, रविवार 11.04.2021 | प्रभात खबर | 04

भाजपा के संगठन महामंत्री नागेंद्र ने की गाय की सेवा

ऑक्सीजन गौशाला

संवाददाता, पटना

भारतीय गायों को बचाने के लिये प्रयासरत स्टूडेंट ऑक्सीजन मूवमेंट की ऑक्सीजन गौशाला में शनिवार को भाजपा के संगठन महामंत्री नागेंद्र ने गौ सेवा की. गौशाला पहुंच कर उन्होंने गायों को घास और गुड खिलाया. गौ सेवा में उन्होंने गाय घर की सफाई भी की. इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गाय हमारी संस्कृति की अभिन्न अंग है. पूर्व में गलत नीतियों के कारण देश में विलुप्त हो रही देसी गायों को बचाना हमारा कर्तव्य है. देसी गायों का दूध, दही, छाछ, घी अमृत की तरह है. उन्होंने लोगों से अपील करते हुये कहा कि देसी गायों को पालें और उनके दूध का सेवन कर स्वस्थ रहें. नागेंद्र जी ने ऑक्सीजन गौशाला के दूध की तारीफ करते हुये कहा कि मुझे खुशी है मैं ऑक्सीजन गौशाला से जुड़ा हूं और मुझे यहां से अमृत की तरह दूध प्राप्त होता है. इसके साथ ही इस संस्था के सारे लोग एवं संयोजक विनोद सिंह के प्रयासों की जितनी सराहना की जाये कम है.

---

4 | दैनिक जागरण, Patna, 11 April 2021 | Padma awarde | NEXT CITY FOCUS

भाजपा संगठन मंत्री नागेंद्र ने गोशाला में सेवा की

PIC: DAINIK JAGRAN INEXT

गायों को घास और गुड़ खिलाया.

गायों को बचाना हमारा कर्तव्य

patna@inext.co.in

PATNA (10 April): भारतीय देसी गायों को बचाने के लिए प्रयासरत स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट की ऑक्सीजन गोशाला में शनिवार को बिहार भाजपा के संगठन मंत्री नागेंद्र पहुंचे और गायों को घास और गुड़ खिलाया. इस दौरान उन्होंने गाय घर की सफाई भी की.

लोग देसी गाय पालें

उन्होंने कहा कि गाय हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है. विलुप्त हो रही [illegible]

गोबर की खाद

ऑक्सीजन गोशाला के संयोजक विनोद सिंह ने भाजपा नेता का स्वागत उन्हें घी का उपहार देकर किया. बताया कि गोशाला की 55 बीघा खेती के लिए गोशाला के बैलों का इस्तेमाल किया जाता है. गोशाला के खेतों में खाद के रूप में गाय के गोबर का इस्तेमाल किया जाता है.

गाय हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग, इन्हें बचाएं

देसी गायों को बचाना हमारा कर्तव्य है. देसी गायों का दूध, दही, छाछ, घी अमृत के समान होता है. उन्होंने लोगों से अपील की कि वे देसी गायों को पालें और उनके दूध-दही का सेवन कर स्वस्थ रहें.

पटना, रविवार, 11 अप्रैल, 2021

जागरण सिटी

ऑक्सीजन गौशाला में गौ सेवा करते बिहार भाजपा संगठन महामंत्री नागेंद्र। • जागरण

गौ माता हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग

जासं, पटना : बिहार भाजपा के संगठन महामंत्री नागेंद्र शनिवार को स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट की ओर से बनाई गई ऑक्सीजन गौशाला पहुंचे और गौ की सेवा की। उन्होंने गौ को घास और गुड़ खिलाकर गौशाला की सफाई की। महामंत्री ने कहा कि गाय हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। देसी गायों का दूध, दही, घी और छाछ अमृत के समान है। वहीं आज रासायनिक खाद का प्रयोग होने से हमारी धरती बंजर हो गई है। संस्था के संयोजक विनोद सिंह ने कहा कि हमारा प्रयास गौ का संरक्षण कर इसके प्रति लोगों को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि गौशाला के सारे बछड़े यहीं रहते हैं। मौके पर भाजपा युवा नेता विकास सिंह भी मौजूद थे।

धर्म . समाज . संस्था

दैनिक भास्कर, पटना, रविवार, 11 अप्रैल, 2021

ऑक्सीजन गौशाला पहुंचे नागेंद्र जी, गायों को संस्कृति का अभिन्न अंग बताया

कहा-गलत नीतियों से देश में विलुप्त हो रही देसी गाय

स्टूडेंट ऑक्सीजन मूवमेंट की ऑक्सीजन गौशाला में नागेंद्र जी।

सिटी रिपोर्टर | पटना

भारतीय देसी गायों को प्रयासरत बचाने के लिए स्टूडेंट ऑक्सीजन मूवमेंट की ऑक्सीजन गौशाला में आज भाजपा के संगठन महामंत्री श्री नागेन्द्र जी पहुँचे।ऑक्सीजन गौशाला के संयोजक बिनोद सिंह ने श्री नागेन्द्र जी का स्वागत किया। इसके बाद नागेन्द्र जी ने गायों को संस्कृति का अभिन्न अंग बताया। उन्होंने कहा गलत नीतियों के कारण देश में विलुप्त हो रही देसी गाय। जिन्हें बचाना अब हमारा कर्तव्य है। गायों से संबंधित दूध, दही, घी को उन्होंने अमृत कहा,इसके बाद गौशाला से जुड़े कामकाजों में भी हाथ बंटाने का काम किया। नागेन्द्र जी ने कहा मेरा अनुरोध है कि लोग देसी गायों को पालें उनके दूध, दही और घी का सेवन कर स्वस्थ रहें। मुझे खुशी है कि इस गौशाला से मैं जुड़ा हूं और मुझे यहां से अमृत समान दूध प्राप्त होता है। अंत में बिनोद सिंह ने बताया कि गौशाला के पचपन बीघे में खेती के लिए गौशाला के बैलों का इस्तेमाल होता है। गौशाला के खेतों में खाद स्वरूप यहीं के गायों का गोबर, गौ मूत्र का उपयोग किया जाता है। गौशाला के करीब दो सौ सदस्य पटना तथा देश के अन्य शहरों में रहते है। जिन्हें गौशाला से दूध और घी भेजा जाता है। गौ सेवा के बाद वहां पहुंचे सभी लोगों ने ऑक्सीजन गौशाला के वीकेंड डेस्टिनेशन डिनर का आनंद उठाया और गायों के दूध, छाछ, दही और लिट्टी चोखा का लाभ लिया।

पटना, मंगलवार, 29 दिसंबर, 2020

जागरण सिटी

गतिविधियां

गायों से प्रेम करने वाले करें गोशाला का भ्रमण

ऑक्सीजन गोशाला में गायों के साथ रामदत्त चक्रधर। • जागरण

जासं, पटना : हम सभी को स्वस्थ रहने के लिए गौसेवा और गौ-संरक्षण पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। घर में देसी गाय के दूध व घी का प्रयोग करने न केवल परिवार स्वस्थ होगा, बल्कि गायों को भी संरक्षण मिलेगा। गोमूत्र और गोबर का प्रयोग करने से भूमि उर्वर होगी। ये बातें बिहार-झारखंड संघ के क्षेत्र प्रचारक रामदत्त चक्रधर ने ऑक्सीजन गोशाला के भ्रमण के दौरान कहीं। उन्होंने कोविड-19 के बारे में कहा, वर्ष 2020 काफी दुख देने वाला रहा। ऐसे समय में हमें वर्ष ने नए सिरे से जीवन जीने की कला बताई। हम सभी फिर प्रकृति की ओर लौट रहे हैं। स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट के संयोजक विनोद सिंह ने बताया, ऑक्सीजन गोशाला ने 26 दिसंबर से तीन जनवरी तक ईवर एंड डेस्टिनेशन [illegible] का आयोजन किया गया। जो लोग देसी गाय के प्रति प्रेम रखते हैं, वह यहां आकर गोशाला भ्रमण कर सकते हैं। आगंतुकों का स्वागत देसी गाय के दूध से होगा। [illegible] गाय के गोबर पर सेंकी गई लिट्टी से होगा। गोशाला में प्रवेश को लेकर आने वाले लोगों को प्रति व्यक्ति पांच किलो चना और पांच किलो गुड़ देना होगा।

दैनिक जागरण

पटना, सोमवार, 14 मार्च, 2022

गौ सेवा से स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण

संसू, बिहटा : प्रखंड के विष्णुपुरा के समीप स्थित स्टूडेंट्स आक्सीजन मूवमेंट की 19वीं और आक्सीजन गौशाला की तीसरी वर्षगांठ पर गौ सेवा और बेहतर शिक्षा व्यवस्था से खुशहाल देश पर परिचर्चा सह गोपाल भोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन बच्चों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। आक्सीजन गौशाला के संचालक विनोद सिंह ने कहा कि गौ सेवा से स्वस्थ राष्ट्र का निर्माण होगा। गौ माता और श्रीकृष्ण भगवान की स्तुति करते हुए कहा कि आज के आधुनिक युग के बच्चे श्रीकृष्ण के रूप में अवतरित हैं। इनका जीवन का मुख्य आधार है शिक्षा है, जिसके बिना एक उन्नत और सभ्य समाज की कल्पना भी

बिहटा में गाय को हरा चारा खिलाते आक्सीजन गौशाला के संचालक विनोद सिंह ●सौ. स्वयं

नहीं की जा सकती है। कौशल हमें आजीविका के प्रबंधन के योग्य बनाता है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के रिसर्चर का मानना है कि देसी गाय का दूध मां के दूध के बाद सबसे ज्यादा लाभकारी है। अंत मे भव्य गोपाल भोज किया गया। मौके पर फतेह बहादुर, विकास राही, पंकज, अनुराग सिंह, प्रो. राजीव वर्मा, नीलम केजरीवाल, मधु सिंह, वीणा सिंह, राजनाथ सिंह, लक्ष्मी गोयल, संध्या, केके सिंह आदी मौजूद थे।

अभी मास्क भी वैक्सीन है™

दैनिक भास्कर

सोमवार 14 मार्च, 2022 फाल्गुन सुदल पक्ष- 11, 2078

गोपाल भोज

देशी गाय के दूध के सेवन से दूर रहती हैं बीमारियां

सिटी रिपोर्टर | बिहटा

विष्णुपुरा में स्थित स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट की 19वीं और ऑक्सीजन गौशाला की तीसरी वर्षगांठ पर गौ सेवा और बेहतर शिक्षा व्यवस्था से खुशहाल देश पर परिचर्चा सह गोपाल भोज का आयोजन किया गया। उद्घाटन छोटे-छोटे बाल-गोपाल ने किया। वहीं महिलाओं ने श्री कृष्ण गाथा, छोटे-छोटे नंद गोपाल आदि की प्रस्तुति दी। वहीं संचालक बिनोद सिंह ने गौ माता और श्री कृष्ण भगवान की स्तुति करते हुए कहा कि आज के आधुनिक युग के बच्चे श्रीकृष्ण के रूप में अवतरित हैं। इनके जीवन का मुख्य आधार है शिक्षा है, जिसके बिना एक उन्नत और सभ्य समाज की कल्पना भी नही की जा सकती है। आज के परिवेश में शिक्षा का जिस तरह से व्यापारीकरण हुआ है, कहीं न कहीं गुणवत्ता काफी पीछे छूट रही है। उन्होंने कहा कि आज देशी गाय का दूध ढूंढने से भी नहीं मिल रहा है। यह स्थिति तब है जब यह गुणों की खान है। देशी गाय का दूध अमृत समान है। इनके दूध में ए-2 जीनोटाइप बीटा केसीन पाया जाता है। यह डायबिटीज और हृदय रोग समेत कई रोगों को रोकने में कारगर है। कार्यक्रम के अंत में भव्य गोपाल भोज किया गया।

पटना, सोमवार 14.03.2022 | प्रभात खबर

ऑक्सीजन गौशाला की तीसरी वर्षगांठ मनी

पटना. स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट की 19वीं और ऑक्सीजन गौशाला की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में गौशाला के गणमान्य सदस्यों ने भाग लिया. स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट ने तीन वर्ष पहले सेव देसी काउ कैंपेन के तहत ऑक्सीजन गोशाला की स्थापना की. गौ सेवा में आगे बढ़ रहा है. आज पूरे देश में 200 से ज्यादा सदस्य गो प्रसाद का आनंद ले रहे हैं. गीतांजली पैथोलैब के डॉ सुशांतो मुखर्जी ने कहा कि सेव देसी काउ कैंपेन को हर घर तक पहुचाना है. डिप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद के बेटे अमित गौरव ने बताया कि गौशाला के दुध से ही दिन की शुरुआत होती है. स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट के कन्वेनर बिनोद सिंह ने बताया कि देखते-देखते ऑक्सीजन गौशाला और सेव देसी काउ कैंपेन के तीन वर्ष और स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट के 19 वर्ष पूरे हो गये. मौके पर अनुराग सिंह, फतेह बहादुर, विकास राही, पंकज कुमार, आर वर्मा, अरुण सिंह के साथ अन्य लोग मौजूद थे.

iNEXT CITY FOCUS/CHAI-

दैनिक जागरण, Patna, 14 March 2022

गौ सेवा से बनेगा स्वस्थ्य समाज

बेहतरह स्वास्थ्य के बिना कोई देश या व्यक्ति आगे नहीं बढ़ सकता

PATNA(13 March): स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट की उन्नसवीं और स्टूडेंट्स गौशाला की तीसरी वर्षगांठ पर आयोजित कार्यशाला में कई लोगों ने हिस्सा लिया. ये जानकारी स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट कन्वेंनर बिनोद सिंह ने दी. उन्होंने ये भी कहा कि उन्नीस वर्षो से शिक्षा, गरीबी, उन्मूलन, और स्वास्थ्य क्षेत्र में अग्रसर है. अलग-अलग कार्यक्रम के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने का प्रयास किया जा रहा है. जिसमें सफलता भी प्राप्त हुई है. बिनोद सिंह ने ये भी कहा कि बेहतर स्वास्थ्य के बिना कोई भी व्यक्ति या देश आगे नहीं बढ़ सकता. डॉ. सुशांतो मुखर्जी, डॉ सुजाता मुखर्जी, आईपीएस रामानंद कौशल, डीप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद के बेटे अमित गौरव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे.

दैनिक भास्कर, पटना, मंगलवार, 01 नवंबर, 2022

ऑक्सीजन गौशाला में तीसरी बार छठ आयोजित

पटना | ऑक्सीजन गौशाला में तीसरी बार श्रद्धा और धूमधाम से छठ का आयोजन किया गया। गौशाला के प्रांगण में छठ का भव्य का आयोजन किया गया। ऑक्सीजन गौशाला परिवार के सदस्यों ने मिलकर धूमधाम से छठ मनाया। सदस्यों ने कहा कि हमारा पूरा परिवार इस पर्व में शामिल हुआ और हमने साक्षात ईश्वर सूर्य देव की पूजा की। सुबह और शाम अर्घ्य देकर गायों को केला और गुड़ खिलाया गया। छठ व्रतियों ने पारण बैल कोल्हू के सरसों तेल में बने बचका-पकौड़ी और घुघनी के साथ किया। स्टूडेंट्स मूवमेंट के कन्वेनर बिनोद सिंह ने भी छठ किया था। उन्होंने कहा कि गौशाला में हर साल छठ धूमधाम से मनाया जाएगा।

पटना, मंगलवार, 1 नवंबर, 2022

जागरण सिटी

गौशाला में धूमधाम से मनी छठ

आक्सीजन गोशाला में मनाया गया छठ महापर्व। • सौ : स्वयं

जासं, पटना : आक्सीजन गोशाला परिसर में महापर्व छठ गायों के बीच धूमधाम से मनाया गया। स्टूडेंट्स आक्सीजन मूवमेंट की ओर से छठ पर्व के दौरान संस्था के संयोजक विनोद सिंह ने भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ गायों को केला व गुड़ खिलाया। पर्व के दौरान सदस्यों ने भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। विनोद सिंह ने कहा कि हमें जीवन में प्रकृति के साथ जुड़े रहने का संदेश छठ महापर्व देता है।

पटना, 12 नवंबर, 2021 दैनिक जागरण

आक्सीजन गौशाला में छठ पूजा करते व्रती। • जागरण

गौशाला परिसर में प्रतिवर्ष होगा छठ

जासं, पटना : स्टूडेंट आक्सीजन मूवमेंट की ओर से आक्सीजन गौशाला परिसर में छठ व्रतियों ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर पर्व का समापन किया। मूवमेंट के संयोजक विनोद कुमार सिंह ने बताया कि गौशाला में प्रतिवर्ष छठ पर्व मनाया जाएगा। गौशाला में गायों के बीच भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर छठ व्रती आनंदित हुए। स्टूडेंट आक्सीजन की ओर से गौशाला की गायों को गुड़-चना खिलाया गया।

दैनिक जागरण Patna, 1 November 2022

• कृत्रिम तालाब में अर्घ्य देती व्रती।

दैनिक भास्कर पटना 01-11-2022

ऑक्सीजन गौशाला में तीसरी बार छठ आयोजित

पटना | ऑक्सीजन गौशाला में तीसरी बार श्रद्धा और धूमधाम से छठ का आयोजन किया गया। गौशाला के प्रांगण में छठ का भव्य का आयोजन किया गया। ऑक्सीजन गौशाला परिवार के सदस्यों ने मिलकर धूमधाम से छठ मनाया। सदस्यों ने कहा कि हमारा पूरा परिवार इस पर्व में शामिल हुआ और हमने साक्षात ईश्वर सूर्य देव की पूजा की। सुबह और शाम अर्घ्य देकर गायों को केला और गुड़ खिलाया गया। छठ व्रतियों ने पारण बैल कोल्हू के सरसों तेल में बने बचका-पकौड़ी और घुघनी के साथ किया। स्टूडेंट्स मूवमेंट के कन्वेनर बिनोद सिंह ने भी छठ किया था। उन्होंने कहा कि गौशाला में हर साल छठ धूमधाम से मनाया जाएगा।

हिन्दुस्तान

पटना • शुक्रवार • 12 नवंबर 2021

ऑक्सीजन गौशाला परिसर में भगवान सूर्य को अर्घ्य देते छठव्रती स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट के कन्वेनर विनोद सिंह व उनके परिजन।

दैनिक भास्कर, पटना, शुक्रवार, 12 नवंबर, 2021

ऑक्सीजन गोशाला में उत्साह के साथ मनाया गया छठ

पटना | ऑक्सीजन गोशाला के प्रांगण में भगवान भास्कर की पूजा-अर्चना कर छठ पर्व मनाया गया। इसमे ऑक्सीजन गौशाला के सदस्यों के परिवार शामिल हुए। सभी ने गायों के बीच सूर्य भगवान को अर्घ्य दिया।

पटना, शुक्रवार 12.11.2021 प्रभात खबर

ऑक्सीजन संस्था गौशाला में उत्साह के साथ मनाया छठ

पटना. ऑक्सीजन संस्था गौशाला के भव्य विशाल प्रांगण में भगवान भास्कर की पूजा अर्चना कर छठ पर्व मनाया गया. मौके पर छठ व्रती स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट के कन्वेनर विनोद सिंह ने बताया कि गौशाला में हर साल छठ बड़े धूम से मनाया जायेगा. उन्होंने कहा कि छठ हमें सालों भर प्रकृति के साथ जुड़े रहने और सूर्योदय से पूर्व जगकर स्वस्थ रहने की प्रेरणा देता है.

दैनिक भास्कर

पटना, रविवार 20 नवंबर, 2022

ऑक्सीजन गौशाला की गाय मुक्ता को डॉ. शांति राय ने गोद लिया

पटना | स्त्री रोग विशेषज्ञ पद्मश्री डॉ. शांति राय शनिवार को स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट की गौशाला पहुंचीं और काफी समय बिताया। उनके साथ उनकी बेटी श्वेता राय भी थी। उन्होंने गौ सेवा करने के लिए गौशाला की गाय मुक्ता को गोद लिया। गौशाला में गोरिया कोठी के विधायक देवेश कांत ने भी अपनी पत्नी मनीषा सिंह के साथ गौ सेवा की। डॉ. शांति राय ने कहा कि वर्षों बाद हमारे पास गाय है। हमारे पूर्वजों ने गौ सेवा की है और हमारे घर भी गायें थी। सौभाग्य से वर्षों बाद अब पुनः मुझे गौ सेवा का अवसर मिल गया है। विधायक देवेश कांत सिंह ने कहा कि गौ वंश बचाने से बड़ा कार्य कुछ भी नहीं हो सकता है। मुझे खुशी है कि इस कार्य में ऑक्सीजन गौशाला सफलतापूर्वक लगा हुआ है और समाज के सब वर्गों को जोड़ रहा है। इस मौके पर स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट के कन्वेनर विनोद सिंह भी उपस्थित थे।

पटना, रविवार, 20 नवंबर, 2022

जागरण सिटी

समाचार सार

डा. शांति राय ने गाय मुक्ता को लिया गोद

आक्सीजन गौशाला में डा. शांति राय व अन्य। ● जागरण

जासं, पटना : स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. शांति राय अपनी बेटी श्वेता के साथ आक्सीजन गौशाला से स्टूडेंट्स आक्सीजन मूवमेंट की नंदिनी मेंबरशिप के तहत गाय मुक्ता को गोद लिया। गौशाला में गोरियाकोठी के विधायक देवेश कांत अपनी पत्नी मनीषा सिंह के साथ गौ सोवा की। डा. शांति राय ने कहा कि वर्षों बाद हमारे पास गाय है। हमारे पूर्वजों ने गौ सेवा की और हमारे घर भी गायें थीं। विधायक देवेश कांत सिंह ने कहा कि गौ वंश बचाने से बड़ा कार्य कुछ भी नहीं है। इस मौके पर स्टूडेंट्स आक्सीजन मूवमेंट के संयोजक बिनोद सिंह भी मौजूद थे।

दैनिक जागरण

inext

स्वास्थ के लिए वरदान है बैल कोल्हू प्रेस्ड सरसों तेल

PATNA : स्वस्थ रहने के लिए बैल कोल्हू प्रेस्ड सरसों तेल का इस्तेमाल करना चाहिए. प्रेस्ड विधि से निकाले गए तेल में विटामिन के गुण यथावत रहते हैं. जबकि मशीन से निकले सरसों तेल में अनेक गुण समाप्त हो जाते है. यह कहना है पटना के गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. विजय प्रकाश व उनकी पत्नी डॉ. रश्मि सिंह का. डॉ. रश्मि सिंह ने कहा कि डॉक्टर होने के साथ मै गृहिणी हू. कहा कि मै प्रिवेंटिव मेडिसिन की डॉक्टर हू. अतः बीमारी बचाव का उपाय बैल कोल्हू प्रेस्ड सरसों तेल है. यह तेल कढ़ाई में फैलता है. डॉ. विजय प्रकाश ने कहा कि वे अपने हॉस्पिटल के माध्यम से ऑक्सीजन गोशाला के कोल्हू प्रेस्ड सरसो तेल के इस्तेमाल के लिए जल्द ही मेडिकल सेमिनार करेंगे. ऑक्सीजन गोशाला के कन्वेनर विनोद सिंह ने डॉ. विजय प्रकाश व उनकी पत्नी डॉ. रश्मि सिंह का बैल कोल्हू कैम्पेन से जुड़ने के लिए आभार जताया.

बैल कोल्हू कैम्पेन

www.oxygen4students.com

Students' Oxygen Movement

ऑक्सीजन गौशाला

dainikbhaskar.com
दैनिक भास्कर, पटना, रविवार, 05 मार्च, 2023

स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट का बैल कोल्हू कैंपेन, पूर्व मुख्य सचिव अंजनी कुमार सिंह ने बताया सार्थक कदम

घर-घर तक पहुंचेगा सरसों का शुद्ध तेल

बैल का होगा उपयोग, उसके गोबर से नेचुरल खाद भी मिलेगी

सिटी रिपोर्टर | पटना

शिक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में 20 वर्षों से अनेक अभियान चलाने वाली संस्था स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट का बैल कोल्हू कैंपेन का दायरा अब बढ़ता जा रहा है। इस मिशन के तहत घर-घर तक शुद्ध सरसों तेल पहुंचाने की योजना है। मुख्यमंत्री के परामर्शी, पूर्व मुख्य सचिव और बिहार म्यूजियम के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह ने इस कैंपेन को समर्थन दिया है। कहा-हमलोग बचपन में कोल्हू का तेल खाते थे। पहले कोल्हू का तेल गांव, खादी भंडार सहित और जगहों पर मिलता था। धीरे-धीरे इसकी परंपरा कम होती गई। आज लोग मशीन का तेल खाते हैं, जो हॉट प्रेस्ड होता है। हॉट प्रेस्ड होने से सरसों की बहुत सारी गुणवत्ता कम हो जाती है। बैल कोल्हू कोल्ड प्रेस्ड तेल में तेल की गुणवत्ता बनी रहती है और बहुत सारे पोषक तत्व तेल में बने रहते हैं।

अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि बैल कोल्हू अभियान के तहत हमारे जो बैल खेतों में अब जुताई में कम काम आते हैं, उनका भी उपयोग हो जाएगा। इसका बड़ा फायदा होगा कि गोबर की कमी नहीं रहेगी। बैलों के गोबर से नेचुरल खाद तैयार होगी, जिससे आर्गेनिक खेती में फायदा होगा। ऊपज बढ़ेगी। बैल कोल्हू तेल खाने के कई फायदे भी बताए और कहा कि इसको बढ़ावा देना चाहिए। ऑक्सीजन गौशाला के कन्वेनर विनोद सिंह ने अंजनी कुमार सिंह को बैल कोल्हू कैंपेन के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। कहा कि इससे बिहार में जगह-जगह स्वतः कोल्हू लगने शुरू होंगे, जिससे लाख लोगों को रोजगार मिलेगा।

जानिए यह भी... संस्था की ओर से बिहटा के पास मेन रोड में ऑक्सीजन गौशाला के अंदर ही बैल कोल्हू खोला गया है। इससे हर दिन 25 से 40 लीटर तक तेल का उत्पादन होता है। जल्द ही कोल्हू की संख्या बढ़ाने की तैयारी है। मिशन के संस्थापक विनोद सिंह ने बताया कि बैल कोल्हू मुहिम का मुख्य मकसद है-गौवंश की रक्षा। इससे बैल कटने से बचेंगे।

कम होती है कोलेस्ट्रॉल की मात्रा... कोल्हू का शुद्ध सरसों तेल खाना हृदय के लिए भी फायदेमंद होता है। इस तेल में मोनो अनसेचुरेटेड फैटी एसिड होता है, जो हृदय रोगियों के लिए फायदेमंद है। इससे खराब कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है। इसके अलावा यह एंटी इन्फ्लामेंट्री है, जिससे कई तरह के फायदे हैं।

हिन्दुस्तान | www.livehindustan.com
पटना, रविवार, 5 मार्च 2023

बैल कोल्हू कैंपेन विकास के लिए सार्थक कदम

पूर्व मुख्य सचिव अंजनी कुमार सिंह।

पटना, हिन्दुस्तान प्रतिनिधि। बिहार के पूर्व मुख्य सचिव अंजनी कुमार सिंह ने स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट के बैल कोल्हू कैंपेन का समर्थन किया है। कहा कि पिछले बीस वर्षों से स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट ने शिक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में अनेक कैंपेन किया है। इसमें बैल कोल्हू समाज के लिए एक अनूठा कैंपेन है। हमलोग बचपन से कोल्हू का तेल खाते थे। धीरे-धीरे बैल कोल्हू तेल खाने की जो परंपरा थी और तरीका था, वह कम होते चला गया। आज लोग मशीन का तेल खाते हैं, जो हॉट प्रेस्ड होता है। इसमें सरसों की गुणवत्ता कम हो जाती है। बैलों को रखने से गोबर भी मिलेगा। इससे खेतों की उर्वराशक्ति भी बढ़ेगी। ऑर्गेनिक खेती के लिए नेचुरल खाद भी मिल जाएगा। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि बैल कोल्हू तेल खाने के क्या फायदे हैं, इसको बढ़ावा देना चाहिए। ऑक्सीजन गौशाला के कन्वेनर बिनोद सिंह ने अंजनी कुमार सिंह को बैल कोल्हू कैंपेन का समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया।

inext
दैनिक जागरण, Patna, 5 March 2023

INBRIEF

बैल कोल्हू कैंपेन सार्थक कदम

PATNA: बिहार संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह ने स्टूडेंट आक्सीजन मूवमेंट के बैल कोल्हू कैंपेन की सराहना की. उन्होंने कहा कि हमलोग बचपन से ही कोल्हू तेल इस्तेमाल करते थे. पहले यह गांव में आसानी से मिल जाता था. आज लोग मशीन का तेल खाते हैं. कोल्हू तेल खाने के कई फायदे हैं, इसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए. ऑक्सीजन गौशाला के कन्वेनर बिनोद सिंह ने अंजनी कुमार सिंह की बैल कोल्हू के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया. उन्होंने कहा कि बैल कोल्हू कैंपेन से बिहार में जगह-जगह पर खुद कोल्हू लगने शुरू हो जाएंगे और लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा.

पटना जागरण
पटना, 5 मार्च, 2023

बैल कोल्हू कैंपेन सार्थक कदम : अंजनी सिंह

पोस्टर दिखाते अंजनी कुमार सिंह।

पटना (वि.): बिहार संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह ने स्टूडेंट आक्सीजन मूवमेंट के बैल कोल्हू कैंपेन की सराहना की। उन्होंने कहा कि हमलोग बचपन से ही कोल्हू तेल इस्तेमाल करते थे। पहले यह गांव में आसानी से मिल जाता था। आज लोग मशीन का तेल खाते हैं। कोल्हू तेल खाने के कई फायदे हैं, इसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए। आक्सीजन गौशाला के कन्वेनर बिनोद सिंह ने अंजनी कुमार सिंह की बैल कोल्हू के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि बैल कोल्हू कैंपेन से बिहार में जगह-जगह पर खुद कोल्हू लगने शुरू हो जाएंगे और लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा।

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

दैनिक भास्कर

कुल पेज 16 **बिहार** मूल्य ₹ 4.00 | वर्ष 9, अंक 233

पटना, मंगलवार 13 सितंबर , 2022 आश्विन, कृष्ण पक्ष-3, 2079

बैल कोल्हू मुहिम • घर-घर शुद्ध सरसों तेल पहुंचाने के लिए ऑक्सीजन मूवमेंट ने शुरू किया अभियान, कटने से भी बचेंगे गौवंश

कोल्हू वाला तेल खाने से कम होती हैं हृदय व मधुमेह जैसी बीमारियां

सिटी रिपोर्टर | पटना

गौवंश रक्षा अभियान चला रहे स्टूडेंट ऑक्सीजन मूवमेंट ने अब अगली कड़ी में बैल और बछड़ों की रक्षा के लिए बैल कोल्हू मिशन शुरू किया है। इससे लोगों के घर-घर तक शुद्ध सरसों का तेल सुलभ होगा, जो स्वास्थ्य के लिहाज से सबसे बढ़िया होगा। संस्था की ओर से बिहटा के पास मेन रोड में ऑक्सीजन गौशाला के अंदर ही फिलहाल दो बैल कोल्हू खोला गया है। इससे हर दिन 25 लीटर तेल का उत्पादन होता है। जल्द ही कोल्हू की संख्या बढ़ाने की तैयारी है। इच्छुक लोगों को हलधर मेंबरशिप दी जा रही है। मिशन के संस्थापक बिनोद सिंह ने बताया कि बैल कोल्हू मुहिम का मुख्य मकसद है-गौवंश की रक्षा। इससे बैल कटने से बचेंगे। सरकार से भी अपील है कि ऐसी पॉलिसी लाएं जिससे गौवंश की रक्षा की जा सके।

मशीन से निकला तेल गर्म, खत्म हो जाती है सरसों की गुणवत्ता

वरीय फिजिशियन और हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. राजीव रंजन ने बताया कि मशीन से निकलने वाले हॉट प्रेस्ड ऑयल की गुणवत्ता खत्म हो जाती है। गर्म तेल गठिया, स्कीन, हृदय रोग के बहुत बड़े कारक हैं। जबकि कोल्हू का तेल बिल्कुल शुद्ध व ठंडा रहता है जिसमें सरसों की पूरी गुणवत्ता बरकरार रहती है। उनका कहना है कि मशीन में तेल के गर्म होने से विटामिन के, विटामिन ई आदि के गुण खत्म हो जाते हैं। बिनोद सिंह का कहना है कि यदि घर में बाजार के तेल का खर्च दो लीटर है, तो बैल कोल्हू का तेल एक लीटर ही खर्च होगा।

ऑक्सीजन मूवमेंट की ओर से ऑक्सीजन गौशाला में स्थापित बैल कोल्हू।

कम होती है कोलेस्ट्रॉल की मात्रा

कोल्हू का शुद्ध सरसों तेल खाना हृदय के लिए भी फायदेमंद होता है। डॉ. राजीव रंजन ने बताया कि इस तेल में मोनो अनसेचुरेटेड फैटी एसिड होता है, जो हृदय रोगियों के लिए फायदेमंद है। इससे खराब कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है। इसके अलावा यह एंटी इन्फ्लामेंट्री है, जिससे कई तरह के फायदे हैं। यह मधुमेह व बीपी रोगियों के लिए भी काफी फायदेमंद है।

मिशन के फायदे | • बैल कटने से बच जाएंगे और गौवंश बढ़ेगा। • गोबर की सर्वश्रेष्ठ खाद मिलेगा और खेत बंजर होने से बचेंगे। • सबको शुद्ध तेल मिलेगा। अशुद्ध तेल खाकर लोग बीमार होने से बचेंगे। 75 फीसदी बीमारियों से बचाव होगा। • इसके व्यापक प्रभाव से पर्यावरण बचेगा। • हाथों को काम मिलेगा और रोजगार बढ़ेगा।

पटना, मंगलवार, 20 सितंबर, 2022

दैनिक जागरण

जागरण सिटी

पटना

अब कलाकार चुप नहीं बैठ सकते : बाल्की 14

www.jagr

सेहत का स्वाद

कोल्हू के सरसों तेल से बीमारियां रहेंगी दूर

आक्सीजन मूवमेंट गोशाला में परंपरागत कोल्हू से सरसों का तेल निकालते हुए। अन्य विधि से तैयार सरसों तेल की तुलना में यह ज्यादा फायदेमंद होता है। ● जागरण

जागरण संवाददाता, पटना : बैल कोल्हू के सरसों तेल के फायदे ही फायदे हैं। पाचन क्रिया के साथ-साथ तन को भी दुरुस्त रखने में यह कारगर है। एम्स पटना के मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष डा. रवि कीर्ति ने बताया कि बैल कोल्हू से तैयार सरसों तेल में अधिसंख्य पोषक तत्व मौजूद रहते हैं। यह अन्य विधि से तैयार सरसों तेल की तुलना में ज्यादा फायदेमंद होता है। आधुनिक मशीनों में तैयार करने के दरम्यान ताप अधिक होने के कारण इसके कई पोषक तत्व नष्ट होने का खतरा बना रहता है।

सामान्य तेल के आधे में हो जाता है काम : बैल कोल्हू तेल को लेकर अभियान चला रहे विनोद कुमार सिंह ने बताया कि इसका उपयोग करने वाली गृहिणियों का कहना है कि इसकी खपत सामान्य तेल की तुलना में आधी है। सामान्य तेल जहां 200 से 250 रुपये लीटर है। यह आक्सीजन मूवमेंट गोशाला में 400 रुपये लीटर उपलब्ध है।

इस कारण रसोई के बजट पर इसका प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता है। उन्होंने बताया कि इस अभियान का सबसे बड़ा लक्ष्य गोवंश को बचाना और लाखों की संख्या में रोजगार के अवसर प्रदान करना है। बैल कोल्हू के सरसों तेल की मांग बढ़ने पर ग्रामीण क्षेत्रों में काफी कम पूंजी में लोग इसका रोजगार शुरू कर सकते हैं। इसके साथ ही बूचड़खाना जाने से गोवंश बच जाएंगे और उनका दूसरी जगह इस्तेमाल किया जाएगा।

अभियान का लक्ष्य :

- बैल कटने से बच जाएंगे और गोवंश की संख्या बढ़ेगी
- खेतों को गोबर की प्रकृति अनुकूल पर्याप्त खाद मिलेगी
- शुद्ध तेल मिलेगा, इसके सेवन से लोगों से 75 प्रतिशत बीमारियां दूर रहेंगी
- सामान्य की तुलना में कोल्ड प्रेस्ड तेल आधे से कम खर्च होता है
- इसके व्यापक प्रभाव से पर्यावरण बचेगा
- हाथों को काम मिलेगा और रोजगार बढ़ेगा

कोल्ड प्रेस्ड तेल के फायदे

- तेल में मौजूद थियामाइन, फोलेट और नियासिन शरीर के मेटाबालिज्म को बढ़ावा देते हैं, यह वजन कम करने में सहायक होता है
- सरसों का तेल शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का भी काम करता है।-पैर में मालिश से आखों की रोशनी बढ़ाने व तनाव को कम करने में सहायक माना जाता है।-जोड़ों के दर्द तथा मसाज में लाभकारी, ठंड के दिनों में यह काफी कारगर साबित होता है।
- इसका सेवन भूख बढ़ाने में मददगार होता है।
- दांत दर्द में नमक मिलाकर मसूड़ों पर मालिश से आराम मिलता है।
- सरसों में पर्याप्त मात्रा में मैग्नीशियम होता है, यह अस्थमा से पीड़ित लोगों को काफी फायदा पहुंचाता है।
- सरसों का तेल में विटामिन-ई की अच्छी मात्रा होती है, यह त्वचा को पोषण देता है।

बिहार का नं. 1 अखबार

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

1936

बुधवार
12 अप्रैल 2023, वैशाख कृष्ण पक्ष सप्तमी, विक्रम संवत् 2080, पटना

राजधानी संस्करण, वर्ष 38, अंक 99, 22 पेज, मूल्य ₹4.00 • पांच प्रदेश • 21 संस्करण

बिहटा के बिशनपुरा गांव में ऑक्सीजन मूवमेंट की गोशाला में बैल कोल्हू से निकाला जा रहा सरसों का तेल। • हिन्दुस्तान

प्रेरणास्रोत | **बैल बचाने के लिए अनूठा अभियान चला रहे ऑक्सीजन गोशाला के बिनोद सिंह, छह महीने पहले शुरू हुआ बैल कोल्हू शुद्ध सरसों तेल मुहिम पकड़ने लगा जोर**

चौपाइयों के बीच निकल रहा ए2 दूध और बैल कोल्हू सरसों तेल

विशेष

पटना, वरीय संवाददाता। पटना-बिहटा रोड में दानापुर स्टेशन से 12 किलोमीटर व बिहटा एयरपोर्ट से 3 किलोमीटर पहले बिहटा-सरमेरा हाइवे पर मौजूद बिशनपुरा गांव प्रदेश में बड़े बदलाव का साक्षी बन रहा है। यहां मौजूद स्टूडेंट ऑक्सीजन गौशाला में गुम हो चुके कोल्हू का उपयोग कर सरसों तेल की पेराई और देसी नस्ल की गाय का दूध (ए2 मिल्क), छांछ और घी आदि का उत्पादन हो रहा है।

गौशाला में प्रवेश करने के साथ ही आपको खुशनुमा अहसास होगा। गौशाला के प्रवेश द्वार पर बज रहे रामायण की चौपाइयां आत्मिक शांति का अहसास कराएंगी। मंगलवार सुबह 11 बजे धूप की तल्खी के बावजूद गौशाला का वातावरण आकर्षित रहा था। गेट से गौशाला की तरफ बढ़ने के दौरान चौपाइयों की जगह भजन सुनने को मिला। कौतूहल में पूछने पर गौशाला प्रबंधक छोटू बताते हैं कि भजन सुनकर शेड में मौजूद देशी नस्ल की 'गीर' गायें खूब दूध देती हैं। बैल की मदद से कोल्हू में प्रत्येक दिन 25 लीटर से ज्यादा शुद्ध सरसों तेल निकाला जाता है। गोशाला शेड में लगभग ढाई सौ गाय-बैल आराम करते नजर आए। वहीं शेड में एक तरफ दो कोल्हू से सरसों तेल पेरते हुए दो बैल घूमते नजर आए। यहां निकले घी और तेल की मांग देश ही नहीं विदेशों में भी है। मिशन के संस्थापक बिनोद कुमार सिंह बताते हैं कि गौशाला से निकले घी व तेल को ऑस्ट्रेलिया, इग्लैंड सहित कई देशों में भेजा जा रहा है।

बिहटा के बिशनपुरा गांव में ऑक्सीजन मूवमेंट की गोशाला।

गोशाला में मौजूद मवखन निकालने और पैकेजिंग करने वाली मशीन। • हिन्दुस्तान

गीतों को सुनते हुए खाते हैं पौष्टिक चारा

शेड में मौजूद ढाई सौ गाय-बैलों के लिए दोपहर में खाने की तैयारी चल रही थी। वहां मौजूद कर्मियों ने बताया कि गर्मी में मकई फसल से तैयार हरा चारा और ठंड के दिनों में ईख के साथ चारा खाने को दिया जाता है। प्रत्येक दिन एक किलो से ज्यादा गुड़ भी पशुओं को खाने में दिया जाता है। गोशाला में मौजूद 15 लोगों की टीम लगातार शुद्धता का ध्यान रखती है।

सुबह चार बजे से शुरू होता है काम

दूध और तेल निकालने के लिए गोशाला के कर्मचारी सुबह चार बजे से जुट जाते हैं। एक-एक गाय का हाथों से दूध निकाला जाता है। निकले दूध को पैकेजिंग कर इसे डीप फ्रिजर में रखा जाता है। यहां से घर पहुंचाने का काम शुरू होता है। घर तक पहुंचने वाले ए2 दूध को आइस बैग में ले जाया जाता है ताकि कोल्ड चैन नहीं टूटे और दूध की पूरी पौष्टिकता बरकरार रहे।

70 बैल हैं स्टूडेंट ऑक्सीजन की गोशाला में

बैल-कोल्हू सरसों तेल होता है फायदेमंद

मिशन संस्थापक बिनोद सिंह बताते हैं कि बैल कोल्हू शुद्ध सरसों तेल में खाना बनाना स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। इस तेल में अनसैचुरेटेड फैटी एसिड होता है। इसमें खराब कोलेस्ट्राल की मात्रा कम होती है। यह एंटी इन्फ्लामेंट्री है। कोल्हू सरसों तेल गठिया, चर्म और हृदय रोग में भी बेहद असरदार होता है।

खास बातें

400 से ज्यादा लोग जुड़ चुके हैं बैल बचाने के अभियान से

2500 रुपये में हलधर सदस्यता ले रहे लोग

06 महीने तक सदस्य बन रहे लोगों को मिल रहा एक लीटर शुद्ध तेल

400 से ज्यादा लोग जुड़ चुके हैं बैल बचाने के अभियान से

180 देशी नस्ल की हैं गाय 10 किलोग्राम देती हैं दूध

गांव-गांव बैल कोल्हू इकाई

मिशन संचालक बिनोद सिंह कहते है कि पहले के जमाने में कोल्हू गांव-गांव में होता था। इससे लोगों को रोजगार मिलता था। अभियान के संचालक बिनोद सिंह कहते हैं कि जो लोग बैल-कोल्हू की यूनिट लगाना चाहते हैं उन्हें वे बैल मुफ्त में देंगे। अभियान के तहत एक लाख कोल्हू लगाने का लक्ष्य है। दो बैल और एक कोल्हू से महीने में तीन सौ से लेकर चार सौ लीटर तेल मिल सकता है।

हलधर सदस्यता ले रहे लोग

छह महीने पहले शुरू हुए अभियान से अभी तक चार सौ से ज्यादा लोग जुड़ चुके हैं। अभियान में हलधर सदस्यता मुहिम चलायी जा रही है। इसके तहत सदस्य बनने वाले लोगों से ढाई हजार रुपये लिए जाते हैं। मिशन के संस्थापक बिनोद सिंह ने बताया कि फिलहाल बैल कोल्हू सरसों तेल 8 सौ लीटर प्रति महीने हो रहा है।

बिहार का नं. 1 अखबार

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

डॉ. विजय प्रकाश का बैल कोल्हू अभियान को समर्थन

पटना। पेट रोग विशेषज्ञ डॉ. विजय प्रकाश व उनकी पत्नी डॉ.रश्मि सिंह ने ऑक्सीजन गौशाला के बैल कोल्हू अभियान का समर्थन किया है।

उन्होंने पेट की बीमारियों से बचाव के लिए शुद्ध तेल खाने पर जोर देने के लिए इस अभियान को अपना समर्थन दिया है। संगठन ने विज्ञप्ति जारी कर बताया है कि दोनों डॉक्टरों ने लोगों को जागरूक करने के लिए अपने बिग अपोलो स्पेक्ट्रा अस्पताल में अशुद्ध तेल से होने वाली बीमारियों के बारे में बताएंगे। इसके अलावा इन रोगों से बचाव में बैल कोल्हू कोल्ड सरसों तेल के इस्तेमाल के बारे में मेडिकल सेमिनारों में भी जानकारी देंगे। डॉ. विजय प्रकाश ने कहा कि मिलावटी अशुद्ध तेल के उपयोग के कारण लिवर, किडनी की बीमारियां काफी बढ़ गई हैं।

डॉ.विजय प्रकाश व डॉ.रश्मि सिंह।

इन बीमारियों से बचने के लिए बैल कोल्हू कोल्ड प्रेस्ड तेल लाभकारी हो सकता है। ऑक्सीजन गौशाला के समन्वयक बिनोद सिंह ने डॉ.विजय प्रकाश व डॉ.रश्मि सिंह को इसके लिए धन्यवाद दिया है।

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

दैनिक भास्कर

कुल पेज 20 बिहार मूल्य ₹ 4.00 | वर्ष 11, अंक 07

पटना, गुरुवार, 25 जनवरी, 2024 पौष शुक्ल पक्ष-पूर्णिमा, 2080

अशुद्ध तेल से होने वाली बीमारियों से बचाव के लिए होगा मेडिकल सेमिनार

पटना | डॉ. विजय प्रकाश कोल्हू कोल्ड सरसों खाने के लिए लोगों को जागरूक कर रहे हैं। उन्होंने और उनकी पत्नी डॉ. रश्मि सिंह ने ऑक्सीजन गौशाला के बैल कोल्हू कैंपेन के समर्थन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके द्वारा बिग अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल में अशुद्ध तेल से होने वाली बीमारियों से बचाव के लिए मेडिकल सेमिनार का आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य की दृष्टि से बैल कोल्हू कोल्ड प्रेस्ड सबसे उत्तम तेल है। आज के समय में लिवर की बीमारी आम होती जा रही है। इसका सबसे बड़ा कारण मिलावटी अशुद्ध तेल का सेवन करना है। कोल्हू तेल में सारे

विटामिन यथावत रहते है। डॉ. रश्मि सिंह ने कहा कि बीमारियों से बचाव का उपाय कोल्हू तेल है। यह स्वादिष्ट होने के साथ ही सुपाच्य होता है।

दैनिक जागरण

पटना शुक्रवार 26 जनवरी, 2024

www.jagran.com

पेट रोगों से बचाता कोल्हू का सरसों तेल

जासं, पटना : लिवर-पेट रोग विशेषज्ञ डा. विजय प्रकाश और पीएमसीएच में प्रिवेंटिव मेडिसिन की विभागाध्यक्ष रहीं डा. रश्मि सिंह ने कहा कि देश में बैल कोल्हू कोल्ड प्रेस्ड सरसों तेल का प्रयोग होता था और लोग स्वस्थ रहते थे। आमजन को रोगों से बचाने के लिए आक्सीजन गोशाला के बैल कोल्हू कैंपेन को समर्थन दिया है। बताया कि बिग अपोलो स्पेक्ट्रा हास्पिटल अशुद्ध तेल से होने वाले रोगों से बचाव व बैल कोल्हू कोल्ड प्रेस सरसों तेल का प्रयोग बढ़ाने के लिए कई सेमिनार करेगा। बैल कोल्हू

अभियान को समर्थन देते डा. विजय प्रकाश व डा. रश्मि प्रकाश • सौः स्वयं

को बढ़ावा मिलने से गोबर के रूप में धरती को प्राकृतिक खाद मिलेगी और मनुष्य को पौष्टिक आहार।

पटना, शुक्रवार, 26.01.2024, (माघ कृष्ण पक्ष | संवत 2080), पटना | मुजफ्फरपुर | भागलपुर | रांची | जमशेदपुर | धनबाद | देवघर | कोलकाता से प्रकाशित, पृष्ठ 24, मूल्य : ₹ 4, वर्ष : 28, अंक : 262

गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

बिहार जागे... देश आगे

प्रभात खबर

बीमारियों से बचायेगा बैल कोल्हू कोल्ड सरसों तेल

पटना. शहर के विख्यात गैस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ विजय प्रकाश एवं उनकी पत्नी डॉ रश्मि सिंह ऑक्सीजन गौशाला के बैल कोल्हू कैंपेन के समर्थन में लोगों को जागरूक कर रहे हैं. वे अपने बिग अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, ऑक्सीजन गौशाला व अन्य जगहों पर अशुद्ध तेल से होने वाली अनेक बीमारियों से बचाव में बैल कोल्हू कोल्ड सरसों तेल के इस्तेमाल के लिए कई मेडिकल सेमिनार करेंगे. डॉ विजय प्रकाश बताते हैं कि लिवर, किडनी की बीमारियां काफी आम हो गयी हैं, जिसका कारण मिलावटी अशुद्ध तेल है. ऑक्सीजन गौशाला के कन्वेनर बिनोद सिंह ने कहा कि बैल कोल्हू कैम्पेन में शामिल होने से लाखों मरीज और सामान्य लोगों को लाभ पहुंचेगा.

बैल कोल्हू कैम्पेन

www.oxygen4students.com

Students' Oxygen Movement

ऑक्सीजन गौशाला

दैनिक जागरण
पटना, शनिवार 16 मार्च, 2024
नगर संस्करण
www.jagran.com

लोकसभा चुनाव की घोषणा आज, सात चरणों में हो सकते हैं चुनाव 3
तमिलनाडु के भविष्य की दुश्मन है द्रमुक : मोदी 32

देसी गायों संग बैलों को भी नया जीवन

रवि शंकर • बिहटा

दो-ढाई दशक पहले देसी गाय और बैलों के गले की घंटियों की आवाज माहौल में मिठास घोलती थीं। परिवार के सदस्य की तरह गाय-बैल भी होते थे। अब ये सब बीते दिनों की बातें हो गई हैं। लेकिन इन सबके बीच बिहटा प्रखंड के विष्णुपुरा गांव का आक्सीजन गोशाला एक मिसाल है। इसमें देसी गाय-बैल ही दिखते हैं। गायों का शुद्ध दूध तो मिलता ही है, बैलों की मदद से कोल्हू चलाकर सरसो का शुद्ध तेल निकाला जाता है। इससे एक ओर लोगों की स्वास्थ्य रक्षा हो रही है तो दूसरी ओर गोबर का उपयोग उर्वरक की तरह होता है। अहम बात यह कि उपेक्षित हो चुके बैलों को नया जीवन मिल रहा है।

आक्सीजन गोशाला में पांच सौ गाय-बैल: आक्सीजन गोशाला विनोद सिंह ने बनाई। वे सेवा भाव से देसी गायों-बैलों के संरक्षण में जुटे हैं। यहां माता के रूप में गायों की पूजा होती है। आरती कर गुड़ और फल का भोग लगाया जाता है। उन्हें सुबह-शाम भजन सुनाया जाता है। इधर से गुजरने वाले रुककर गोमाता की ओर शीश नवाकर जाते हैं। गोशाला में प्याज-लहसुन वर्जित है। इसी तरह का सम्मान और स्नेह बैलों और बछड़ों को भी दिया जाता है। विनोद सिंह कहते हैं कि गोशाला में पांच सौ से ज्यादा ज्यादा देसी गायें, बछड़े और बैल हैं। यहां गोवंश को संरक्षित किया जाता है।

बिहटा स्थित गौशाला में गोसेवा में जुटे विनोद सिंह • जागरण

जगह-जगह कोल्हू से निकाले जाएं तेल : विनोद सिंह बताते हैं कि हमने गाय पालन व्यवसाय नहीं बल्कि सेवा भाव से किया है। यहां दूध, दही, घी का उत्पादन तो होता है लेकिन इसकी बिक्री नहीं होती है। जो लोग गोपालन में सेवा भाव से सदस्य बने हैं उन्हीं को दूध-दही और कोल्हू से निकाला गया तेल उपलब्ध कराया जाता है।

हिन्दुस्तान
बिहार का नं. 1 अखबार
भरोसा नए हिन्दुस्तान का

'ऑक्सीजन गौशाला' से जुड़े डॉ. आरएन सिंह

पटना, वरीय संवाददाता। हड्डी रोग विशेषज्ञ एवं विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आरएन सिंह ने बैल कोल्हू अभियान का समर्थन किया है। वे देशी गाय संरक्षण के साथ-साथ ऑक्सीजन गौशाला अभियान से जुड़ गए हैं।

उन्होंने सभी को बैल कोल्हू द्वारा निकाले गए शुद्ध सरसों तेल इस्तेमाल की सलाह दी और इसकी विशेषताएं बतायी। उन्होंने कहा कि गाय के साथ-साथ बैल का संरक्षण भी महत्वपूर्ण है। बैल कोल्हू द्वारा शुद्ध सरसो का कोल्ड -प्रेस्ड तेल निकाला जा रहा है। जो विशेषताओं से भरा हुआ है। बहुत धीरे निकलने के कारण यह तेल गर्म नहीं होता है और इसके सभी औषधीय गुण अक्षुण्ण रहते हैं। बैल कोल्हू तेल में फैट, घुलनशील विटामिन ए, डी, के की मात्रा ज्यादा होती है। बैल से निकलने वाले गोबर का उपयोग उर्वरक के रूप में करते हैं। ऑक्सीजन गौशाला के समन्वयक बिनोद सिंह ने डॉ. आरएन सिंह को बैल कोल्हू अभियान से जुड़ने के लिए धन्यवाद दिया। इस मौके पर बैल कोल्हू अभियान के समन्वयक ने कहा कि डॉ. सिंह के बैल कोल्हू अभियान में शामिल होने से गुणवत्तायुक्त तेल को लेकर लोग जागरूक होंगे। इससे लाखों मरीज व सामान्य लोगों को लाभ मिलेगा।

हड्डी रोग विशेषज्ञ एवं विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आरएन सिंह।

दैनिक भास्कर
आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार
बिहार
पटना, शुक्रवार, 15 मार्च, 2024

देश और देह के लिए बैल कोल्हू कोल्ड प्रेस्ड तेल अपनाएं : पद्मश्री आरएन सिंह

पटना। हड्डी रोग विशेषज्ञ और विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री डॉ आरएन सिंह बैल कोल्हू कैंपेन और देसी गाय के संरक्षण के साथ-साथ ऑक्सीजन गौशाला से जुड़े। उन्होंने सबको बैल कोल्हू द्वारा निकाले गए शुद्ध सरसों का तेल इस्तेमाल करने की सलाह दी और इसकी विशेषताएं बताईं। पहली विशेषता यह है कि बहुत धीरे निकलने के कारण तेल गरम नहीं होता और उसके सारे गुण अक्षुण्ण रहते हैं। इसका ठीक उल्टा बाजार में मिलने वाले तेल में होता है क्योंकि वह मशीन से निकाला जाता है और गर्म होकर उसके गुणों में बदलाव आ जाता है जो कि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। दूसरा कि बैल कोल्हू तेल में फैट, सॉल्युबल विटामिन ए, डी, के की मात्रा अधिक होती है जो शरीर के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। इसके अलावा उसके गोबर की भी कई विशेषताएं हैं। यह गोबर बड़ा उर्वरक है जो कि केमिकल फर्टिलाइजर की जगह इस्तेमाल होगा तो हमारी धरती जी उठेगी और उसके उपजाऊ तत्व में बढ़ोतरी आएगी। इस अवसर पर ऑक्सीजन मूवमेंट के कन्वेनर बिन्नोद सिंह मौजूद थे।

दैनिक जागरण
Patna, Friday 15 March 2024
PATNA EDITION
www.inextlive.com
inext

'डेविन' बना दुनिया का पहला एआई सॉफ्टवेयर इंजीनियर }14
'मंगल पर जीवन बसाने की जगह धरती बचाएं' }15

बैल कोल्हू कैम्पेन से जुड़े डॉ आरएन सिंह

PATNA: हड्डी रोग विशेषज्ञ एवं विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. आरएन सिंह बैल कोल्हू कैम्पेन और देसी गाय के संरक्षण के साथ-साथ ऑक्सीजन गौशाला से जुड़े. उन्होंने सबको बैल कोल्हू द्वारा तैयार शुद्ध सरसों तेल इस्तेमाल करने की सलाह दी और इसकी कई विशेषताएं बतायी. डॉ. सिंह ने कहा कि मुझे खुशी है कि मैं विनोद सिंह के साथ हूं जो स्टूडेंट्स ऑक्सीजन मूवमेंट के अंतर्गत ऑक्सीजन गौशाला का संचालन करते हैं जो कि गौ संपदा के ऊपर एक बहुत बड़े आंदोलन के रूप में उभर रहा है.डॉ. सिंह ने कहा कि हमारे देश में गौवंश और संपदा का बहुत महत्व है, मगर गाय की बात तो हम करते हैं पर बैल की बात भूलते चले जा रहे हैं. बैल का संरक्षण भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना गाय का संरक्षण है.

बैल कोल्हू कैम्पेन
www.oxygen4students.com
Students' Oxygen Movement
ऑक्सीजन गौशाला

दैनिक भास्कर

बीमारियों से बचने को कोल्हू कोल्ड प्रेस्ड तेल को अपनाना है जरूरी

पटना। रूबन हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. सत्यजीत सिंह और उनकी पत्नी डॉ. विभा सिंह ने बैल कोल्हू कैंपेन की सराहना की। डॉ. सत्यजीत सिंह ने कहा कि ऑक्सीजन गौशाला के जरिए देसी गाय का संरक्षण किया जा रहा है। केमिकल खाद से धरती की नमी के साथ उर्वरता भी खत्म हो रही है। उन्होंने कहा कि अशुद्ध हांनिकारक तेल से कैंसर, किडनी, लिवर आदि बीमारियां होती हैं। इससे बचने के लिंए बैल कोल्हू कोल्ड प्रेस्ड तेल को अपनाना जरूरी है। डॉ. विभा सिंह ने कहा कि बैल कोल्हू द्वारा निकाला गया कोल्ड प्रेस्ड सरसों तेल शरीर के साथ पर्यावरण के लिए भी लाभकारी है। इससे किसी तरह का प्रदूषण नहीं फैलता है।

बिहार का नं. 1 अखबार
हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का

बैल कोल्हू तेल अभियान से जुड़े डॉक्टर सत्यजीत

रूबन अस्पताल के निदेशक डॉ. सत्यजीत सिंह अपने परिवार के साथ।

पटना। रूबन अस्पताल के निदेशक व जाने-माने यूरो सर्जन डॉ. सत्यजीत सिंह एवं उनकी पत्नी डॉ. विभा सिंह बैल कोल्हू अभियान से जुड़ गई हैं।

डॉ.सत्यजीत सिंह ने कहा कि ऑक्सीजन गौशाला के माध्यम से वे देसी गाय व बैल का संरक्षण करना चाहते हैं। केमिकल खाद से धरती की नमी और उर्वरता खत्म हो रही है। पुराने समय की बैल से पेराई कर तेल निकालने की लुप्त परिपाटी ऑक्सीजन गौशाला में जीवंत किया गया है। ऑक्सीजन गौशाला के समन्वयक बिनोद सिंह ने डॉ.सत्यजीत सिंह और डॉ. विभा सिंह को बैल कोल्हू अभियान से जुड़ने के लिए धन्यवाद दिया।

प्रभात खबर

बैल कोल्हू कोल्ड प्रेस्ड तेल से स्वास्थ्य को फायदा

पटना. रूबन हॉस्पिटल के निदेशक डॉ सत्यजीत सिंह ने कहा कि बैल कोल्हू कोल्ड प्रेस्ड तेल स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण के लिए भी अनुकूल है. उन्होंने कहा कि बिनोद ऑक्सीजन गौशाला के माध्यम से देसी गाय बैल का संरक्षण करना चाहते हैं. हमने बचपन में देखा है कि बैल से तेल निकल रहा है लेकिन आज यह परिपाटी सामाप्त हो गयी है. ऐसे में ऑक्सीजन गौशाला में पुनः शुरू किया गया है. उन्होंने कहा कि बाजार में मिल रहे अशुद्ध हानिकारक तेल से कैंसर किडनी व लिवर आदि बीमारियां हो रही हैं, जिससे बचने के लिए बैल कोल्हू कोल्ड प्रेस्ड तेल अपनाना जरूरी है. उन्होंने कहा कि वह अपनी पत्नी डॉ विभा सिंह के साथ मिलकर बैल कोल्हू कैंपेन को आगे बढ़ाने के लिए सार्थक उठायेंगे.

दैनिक जागरण

कोल्हू कोल्ड तेल सेहत के लिए जरूरी

परिवार के साथ बैल कोल्हू अभियान की सराहना करते डा. सत्यजीत ● सौ. स्वयं

जासं, पटना : यूरो सर्जन डा. सत्यजीत सिंह व उनकी पत्नी डा.विभा सिंह ने बैल कोल्हू अभियान की सराहना की। स्टूडेंट आक्सीजन मूवमेंट की आक्सीजन गौशाला के माध्यम से देसी गाय-बैल का संरक्षण करने में संस्था के संयोजक विनोद सिंह योगदान दे रहे हैं। डा. सत्यजीत ने कहा कि रासायनिक खाद से धरती को नुकसान होता है। कोल्हू का तेल स्वास्थ्य व पर्यावरण संरक्षण के लिए जरूरी है।

दैनिक जागरण
inext

कोल्हू कोल्ड तेल सेहत के लिए जरूरी

वरिष्ठ यूरो सर्जन डा. सत्यजीत सिंह व उनकी पत्नी डा.विभा सिंह ने बैल कोल्हू अभियान की सराहना की. स्टूडेंट आक्सीजन मूवमेंट की आक्सीजन गौशाला के माध्यम से देसी गाय-बैल का संरक्षण करने में संस्था के संयोजक विनोद सिंह योगदान दे रहे हैं. डा. सत्यजीत ने कहा कि रासायनिक खाद से धरती को नुकसान होता है. बैल चालित कोल्हू का तेल स्वास्थ्य व पर्यावरण संरक्षण के लिए जरूरी है. बाजार मे मिल रहा अशुद्ध तेल स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है, इसके प्रयोग से अनेक प्रकार की बीमारियां होती है. डा. विभा सिंह ने कहा कि बैल कोल्हू के तेल मे बना भोजन ग्रहण करने से शरीर में गैस संबंधी परेशानी नहीं होती है.

बैल कोल्हू कैम्पेन
www.oxygen4students.com
Students' Oxygen Movement
ऑक्सीजन गौशाला

दैनिक भास्कर

बिहार

कोल्हू कोल्ड प्रेस्ड तेल सेहत के लिए जरूरी : डॉ. शांति राय

पटना। ऑक्सीजन गौशाला से पद्मश्री डॉ. शांति राय जुड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा कि बैल कोल्हू कैंपेन के जरिए हमारा मकसद है कि समाज में बैल कोल्हू कोल्ड प्रेस्ड तेल की महत्ता को बताया जाए। उन्होंने कहा कि हमारी देसी गाय का महत्व तो सब लोग जानते हैं, लेकिन बैल कोल्हू कैंपेन के माध्यम से बैलों के महत्व और उपयोगिता को लोगों के बीच लाया जा रहा है। बाजार में मिलने वाले तेल से बना खाना तबीयत को बिगाड़ सकता है। डॉ. राय ने कहा कि बैलों की रक्षा करना हमारा धर्म है। इनकी रक्षा का मतलब पर्यावरण की रक्षा, बेहतर स्वास्थ्य और शुद्ध भोजन है।

दैनिक जागरण

कोल्हू का तेल लाभप्रद, गोवंश का भी संरक्षण

डा. शांति राय ● सौ. संस्था

जासं, पटना : पद्मश्री से सम्मानित डा. शांति राय ने कहा कि पुराने समय में कोल्हू से तेल निकाले जाते थे। ये हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद थे। बैल के जरिए कोल्हू से निकलने वाले तेल दिखाई नहीं देते। स्टूडेंट आक्सीजन मूवमेंट का अभियान बैल कोल्हू अभियान सराहनीय है। आक्सीजन गौशाला के संयोजक विनोद सिंह अभियान के जरिए लोगों को जागरूक कर रहे हैं। बैलों की उपयोगिता आज खत्म हो रही है। ऐसे में हमें बैलों का संरक्षण जरूरी है। बैल कोल्हू से निकलने वाले तेल में किसी रसायन का प्रयोग नहीं होता है। दूसरी ओर रसायन का प्रयोग कर हम सभी भूमि को बंजर बनाने में लगे हैं। भूमि को उपजाऊ बनाने के लिए गाय-बैल के गोबर का प्रयोग जरूरी है। डा. शांति राय ने अभियान से जुड़ कर धन्यवाद देते हुए सभी गोवंश की रक्षा करने के साथ पर्यावरण संरक्षण में सहयोग देने पर जोर दिया।

दैनिक जागरण

inext

कोल्हू से निकलने वाले तेल स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद

patna@inext.co.in

PATNA (29 March): पद्मश्री से सम्मानित डा. शांति राय ने कहा कि पुराने समय में कोल्हू से तेल निकाले जाते थे. ये हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद थे. बैल के जरिए कोल्हू से निकलने वाले तेल दिखाई नहीं देते. स्टूडेंट आक्सीजन मूवमेंट के अभियान बैल कोल्हू अभियान सराहनीय है. आक्सीजन गौशाला के संयोजक विनोद सिंह अभियान के जरिए लोगों को जागरूक कर रहे हैं. बैलों की उपयोगिता आज खत्म हो रही है. ऐसे में हमें बैलों का संरक्षण जरूरी है. बैल कोल्हू से निकलने वाले तेल में किसी रसायन का प्रयोग नहीं होता है. दूसरी ओर रसायन का प्रयोग कर हम सभी भूमि को बंजर बनाने में लगे हैं. भूमि को उपजाऊ बनाने के लिए गाय-बैल के गोबर का प्रयोग जरूरी है. डा. शांति राय ने अभियान से जुड़ कर धन्यवाद देते हुए सभी को गौ वंश की रक्षा करने के साथ पर्यावरण संरक्षण में सहयोग देने पर जोर दिया.

प्रभात खबर

बिहार जगे... देश आगे

30.03.2024

बैल कोल्हू तेल खाने से रहेंगे स्वस्थः डॉ शांति रॉय

पटना. बैल कोल्हू कैंपेन के जरिये हमारा मकसद है कि समाज में बैल कोल्हू कोल्ड प्रेस्ड तेल की महता को उजागर किया जाये. यह हमारे स्वास्थ्य के साथ बैलों का संरक्षण भी कर रहा है. यह बातें पद्मश्री डॉ शांति रॉय ने कहीं. मालूम हो कि वह ऑक्सीजन गौशाला से जुड़ी हुई हैं. उन्होंने बताया कि वर्तमान में बैलों को दोबारा अपने जीवन का हिस्सा बना लें तो पर्यावरण के दूषित होने से बचा सकते हैं. साथ ही इस तेल के सेवन से कोई भारीपन या तबियत खराब नहीं होगी. वहीं, ऑक्सीजन गौशाला के कंवेनर बिनोद सिंह ने शांति रॉय को बैल कोल्हू कैम्पेन से जुड़ने के लिए धन्यवाद दिया.

हिन्दुस्तान

बिहार का नं. 1 अखबार

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

बैल कोल्हू तेल के सेवन से स्वस्थ रहेंगे : डॉ. शांति राय

पटना, वरीय संवाददाता। डॉ. शांति राय ऑक्सीजन गौशाला से जुड़ गई हैं। कोल्हू कोल्ड प्रेस्ड तेल के महत्व को उजागर करने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि बैल के सहयोग से कोल्हू में उत्पादित कोल्ड प्रेस्ड तेल स्वास्थ्य के लिए बहुत उपयोगी है। यह अभियान हमारे स्वास्थ्य के साथ-साथ बैलों का संरक्षण भी कर रहा है।

उन्होंने कहा कि बैल कोल्हू अभियान के द्वारा बैलों के उपयोगिता को हमारे बीच में लाया जा रहा है। बैल हमारे जीवन से विलुप्त होते जा रहे हैं। बैलों के बचाव से पर्यावरण प्रदूषण से निपटने में भी मदद मिल सकती है। यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भी है। बाजार में उपलब्ध तेल को दोबारा गर्म करके उपयोग स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है, लेकिन कोल्ड प्रेस्ड तेल को दोबारा उपयोग में ला सकते हैं। ऑक्सीजन गौशाला के समन्वयक बिनोद सिंह ने डॉ.रॉय को अभियान से जुड़ने के लिए धन्यवाद दिया।

बैल कोल्हू कैम्पेन

www.oxygen4students.com

Students' Oxygen Movement

ऑक्सीजन गौशाला

दैनिक भास्कर

बैल कोल्हू सरसों तेल सेहत के लिए वरदान : डॉ. सुनील सिंह

पटना| नेत्र चिकित्सक डॉ. सुनील सिंह और उनकी पत्नी डॉ. वर्षा सिंह बैल कोल्हू कैंपेन से जुड़कर लोगों को बैल कोल्हू से निकाले गए शुद्ध सरसों तेल का इस्तेमाल करने की सलाह दे रहे हैं। डॉ. सुनील सिंह ने कहा कि ऑक्सीजन गौशाला से निकला बैल कोल्हू कोल्ड प्रेस्ड तेल एसिडिक नहीं है। इसलिए कि यह गर्म नहीं होता है। वहीं मशीन से निकला तेल ऊंचे तापमान में प्रोसेस होने के कारण एसिडिक हो जाता है, जो सेहत पर अच्छा प्रभाव नहीं डालता है। उन्होंने कहा कि अगर हर गांव में कुछ बैल कोल्हू लगाए जाएं तो लोगों को रोजगार मिलेगा। साथ ही बैल का गोबर खेतों के लिए भी फायदेमंद है। बैल कोल्हू तेल द्वारा शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, आंख, दिल, हड्डी को ठीक रखा जा सकता है। डॉ. वर्षा सिंह ने कहा कि बैल कोल्हू का सरसों तेल निकलते समय गर्म नहीं होता है। इससे उसके अंदर पाए जाने वाले किसी पोषक तत्व की क्षति नहीं होती है। साथ ही साथ बैल का गोबर हमारे खेतों के लिए बहुत फायदेमंद है। ऑक्सीजन गौशाला के कन्वेनर बिनोद सिंह ने डॉ. सुनील सिंह और उनकी पत्नी डॉ. वर्षा सिंह को बैल कोल्हू कैंपेन से जुड़ने के लिए धन्यवाद दिया।

दैनिक जागरण

बैल कोल्हू कैंपेन को लोग बढ़ा रहे हैं आगे

PATNA (5 April): चिकित्सक डॉ. सुनील सिंह और उनकी पत्नी आईजीआईएमएस के एडिशनल प्रोफेसर डॉ. वर्षा सिंह, बैल कोल्हू कैंपेन से जुड़कर सभी लोगों को बैल कोल्हू द्वारा निकाले गये शुद्ध सरसों का तेल इस्तेमाल करने की सलाह दी और इसकी कई विशेषताएं बतायीं. डॉ. सुनील सिंह ने कहा कि ऑक्सीजन गोशाला द्वारा चलाये गये बैल कोल्हू कैंपेन कि मैं सराहना करता हूं. बैल कोल्हू कोल्ड प्रेस्ड तेल एसिडिक नहीं है क्योंकि ये गर्म नहीं होता जबकि मशीन वाले तेल ऊंचे तापमान में प्रोसेस होने के कारण एसिडिक होते हैं और उसका हम पर अच्छा प्रभाव नहीं पड़ता है. डॉ. वर्षा सिंह ने कहा कि मैं प्रिवेंटिव मेडिसिन की डॉक्टर और गृहणी के नाते अपने अनुभव के आधार पर लोगों से बैल कोल्हू कोल्ड प्रेस्ड तेल खाने की सलाह देती हूं. बैल कोल्हू की सरसों तेल पोषक तत्व की क्षति नहीं होती है.

हिन्दुस्तान

बिहार का नं. 1 अखबार

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

'बैल कोल्हू' से गांवों में रोजगार बढ़ेगा: सुनील

पटना। बैल कोल्हू कैम्पेन को पटना के लोग मिलकर आगे बढ़ा रहे हैं। नेत्र चिकित्सक डॉ. सुनील सिंह और उनकी पत्नी आईजीआईएमएस में एडिशनल प्रोफेसर डॉ. वर्षा सिंह बैल कोल्हू कैम्पेन से जुड़कर सभी लोगों को बैल कोल्हू द्वारा निकाले गये शुद्ध सरसों का तेल इस्तेमाल करने की सलाह दी और विशेषताएं बतायी। कहा, गांवों में बैल कोल्हू से लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

डॉ. सुनील ने कहा कि ऑक्सीजन गौशाला की ओर से चलाये गये बैल कोल्हू कैम्पेन की मैं सराहना करता हूं। बैल कोल्हू कोल्ड प्रेस्ड तेल एसिडिक नहीं है, जबकि मशीन वाले तेल ऊंचे तापमान में प्रोसेस होने के कारण एसिडिक होते हैं। बैल कोल्हू द्वारा शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, आंख, दिल की बीमारी को ठीक रखा जा सकता है। डॉ. वर्षा सिंह ने कहा कि मैं एक डॉक्टर व गृहिणी के नाते लोगों से बैल कोल्हू कोल्ड प्रेस्ड तेल खाने की सलाह देती हूं। ऑक्सीजन गौशाला के कन्वेनर विनोद सिंह ने दोनों को बैल कोल्हू कैम्पेन से जुड़ने के लिए धन्यवाद दिया।

दैनिक जागरण

बैल कोल्हू कैंपेन से जुड़ने की दी सलाह

जासं, पटना : नेत्र रोग चिकित्सक डा. सुनील सिंह और उनकी पत्नी सह आइजीआइएमएस में सहायक प्राध्यापक डा. वर्षा सिंह ने बैल कोल्हू कैंपेन से जुड़ने की सलाह दी एवं विशेषताएं बताईं। डा. सुनील ने कहा कि बैल कोल्हू कोल्ड प्रेस्ड तेल एसिडिक नहीं है, क्योंकि ये गर्म नहीं होता। जबकि, मशीन वाले तेल ऊंचे तापमान में प्रोसेस होने के कारण एसिडिक हो जाते हैं। डा. वर्षा सिंह ने कहा कि बैल कोल्हू का सरसों तेल निकालने के समय गर्म नहीं होता है, जिसकी वजह से उसके अंदर पाए जाने वाले किसी पोषक तत्व की क्षति नहीं होती है।

डा. सुनील सिंह और डा. वर्षा सिंह ● सौ. प्रतिष्ठान

प्रभात खबर

बैल कोल्हू तेल से लाखों मरीजों व सामान्य लोगों को लाभ : डॉ सुनील

पटना. सुप्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक डॉ सुनील सिंह और उनकी पत्नी आइजीआइएमएस में एडिशनल प्रोफेसर डॉ वर्षा सिंह, बैल कोल्हू कैंपेन से जुड़कर इस कैंपेन को आगे बढ़ा रही हैं. उन्होंने कहा कि कोल्हू का सरसो तेल स्वास्थ्य के लिए बेहतर है. इससे कृषि अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी.

बैल कोल्हू कैम्पेन

www.oxygen4students.com

Students' Oxygen Movement

ऑक्सीजन गौशाला

पटना, गुरुवार
18 जुलाई, 2024
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 16

दैनिक जागरण

www.jagran.com

बिहार, झारखंड, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

मैन्यूफैक्चरिंग पर जोर, लेकिन इकोसिस्टम आधा-अधूरा 11

नीरज की अगुआई में 117 एथलीट पेरिस में ठोकेंगे ताल 12

जागरण विशेष

गोशाला पर्यटन : सेवा संग नई पीढ़ी को संस्कार व स्नेह की भी शिक्षा

पटना के विष्णुपुर गांव में देसी गायों के संवर्द्धन का अभियान, चल रही बैलों को बचाने की भी मुहिम

रवि शंकर • जागरण

बिहटा (पटना): पटना ने पर्यटन का नया स्वरूप प्रस्तुत किया है। जिले में बिहटा ब्लाक के विष्णुपुर गांव में गोशाला पर्यटन सेवा संग नई पीढ़ी को संस्कार और स्नेह की शिक्षा भी दे रहा है। यहां बच्चों को गोमाता से प्रेम का संदेश मिलता है। देसी गायों के संवर्द्धन का यहां अभियान तो चल ही रहा है बैलों को बचाने की मुहिम भी तेज है। क्लब सरीखी व्यवस्था में सदस्य गायों को गोद लेकर सेवा का जिम्मा लेते हैं। प्रसाद के रूप में यहां दूध प्रदान किया जाता है। बैल कोल्हू में कार्य करते। इन गतिविधियों से गांव में जो रमणीक दृश्य बनता है, वह किसी को भी लुभाता है।

पटना जिले के विष्णुपुरा गांव स्थित आक्सीजन गोशाला में गायें (बायें)। कोल्हू चलाते बैल को पुचकारते गोशाला के संचालक विनोद सिंह • जागरण

गांव-गांव बैलों से चलने वाले कोल्हू हो जाएं तो हो बड़ी क्रांति

गायें तो दूध देती हैं, पर इस मशीनी युग में बैलों की पूछ कहां? यह एक बड़ा प्रश्न है, जिसका उत्तर भी यह गोशाला देती है। यहां बछड़े के जन्म पर भी उत्सव मनाया जाता है। बैलों से खेत की जोताई की जाती है। उन्हें कोल्हू में भी लगाया जाता है। अच्छे चारा-पानी से तंदुरुस्त बैल भी इसे जैसे समझते हों, इसलिए जमकर अपना काम करते हैं। कोल्हू में बैलों से सरसों की पेराई की जाती है। यह तेल स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से बहुत उत्तम होता है। गोशाला का संदेश है कि बैलों का भी संरक्षण जरूरी है। यदि गांव-गांव इस तरह बैलों से चलने वाले कोल्हू हो जाएं तो यह एक बड़ी क्रांति होगी। उनकी उपयोगिता भी बनी रहेगी, लघु-कुटीर उद्योग की परिकल्पना को भी बल मिलेगा।

पटना से लगभग 20 किलोमीटर दूर विष्णुपुरा गांव स्थित आक्सीजन गोशाला ऐसी जीवनशैली और संस्कृति को सहेज रही है, जिसमें गोवंश के प्रति प्रेम, अपनी मिट्टी से जुड़ाव और उस विरासत से साक्षात्कार होता है, जिसे पूर्वजों ने अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनाया। इस गोशाला का संचालन विनोद सिंह कर रहे हैं। गोशाला में केवल गिर नस्ल की गायें और बैल हैं। सुबह-शाम भजन बजता है। गायों का रंभाना, बछड़े-बाछियों का उछलना-कूदना...। गांव की स्वच्छ हवा, चारों ओर खेत। मन को मोह लेने वाला दृश्य। यहां गाय-बैलों की सेवा बड़े मनोयोग से की जाती है। इसकी अनुभूति यहां आकर ही हो सकती है।

यहां गायों को गोद लेकर लोग सेवा का जिम्मा लेते हैं। इनमें नेता, उद्योगपति, व्यवसायी, प्रशासनिक अधिकारी, प्रोफेसर से लेकर समाज के कई प्रबुद्ध लोग हैं। गोशाला के ये सदस्य परिवार के साथ यहां आते हैं। गाय-बैल, बछड़े-बाछियों को गुड़, गाजर आदि खिलाते हैं। यहीं बैठकर शुद्ध घी में बने लिट्टी-चोखा और दूध की मिठास का आनंद लेते हैं। इस दौरान विशेष रूप से बच्चों का भाव देखते बनता है, जब वे नन्हें हाथों से गोद ली गई अपने परिवार की गाय को चारा खिला रहे होते हैं। नई पीढ़ी को ग्राम्य जीवन और गोवंश से परिचित कराने का बहुत ही सुंदर उपक्रम है यह गोशाला।

सेवा भाव से संकल्प साकार: अपने आप में एक अनूठी गोशाला के संकल्प को साकार करने वाले विनोद सिंह परास्नातक हैं। मूलरूप से आरा के पिपरा जयपाल के रहने वाले हैं। वे बताते हैं कि करीब 25 वर्ष पूर्व जब पटना आए तो घर में गाय नहीं थी। दूध खरीदकर लेते थे, पर उसमें वह स्वाद नहीं था। मन में यह विचार आया कि गौमाता की सेवा के लिए क्यों न ऐसी एक गोशाला बनाई जाए, जहां लोग सप्ताह में एक ही दिन आएं और सेवा करें। करीब सात वर्ष पहले इसकी शुरुआत हुई। प्रारंभिक दौर में 35-40 लोगों ने सहयोग का आश्वासन दिया। धीरे-धीरे लोग जुड़ते चले गए। अब दो सौ से अधिक सदस्य हैं। सदस्य गोशाला में आते हैं और गायों की सेवा करते हैं तो एक अलग ही अनुभूति होती है। यहां करीब 300 गाय-बैल, बछड़े व बाछियां यहां हैं। विनोद कहते हैं कि आज यह आवश्यक है कि देश में गोपालन और बछड़ों को बचाने का अभियान छेड़ा जाए।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।